छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 226 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 03 सितम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कुंडला सिटी फिर हुआ जलमग्न, 3 लाख का जुगाड़ हुआ फेल

पॉश कॉलोनी की बदहाली: पिछले वर्ष 50-60 गाड़ियां हुई थीं खराब

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के पॉश कॉलोनी कुंडला सिटी में एक बार फिर बारिश ने कहर बरपाया है। रात भर हुई झमाझम बारिश के बाद पूरी कॉलोनी तालाब में तब्दील हो गई। इससे नगर निगम के व्यवस्था की पोल खुल गई। हर बारिश में कॉलोनी की बनने वाली बदहाल स्थिति को लेकर परेशान रहवासियों ने नगर निगम के साथ ही शासन-प्रशासन को कोसा।

कॉलोनी निवासी शुभम अग्रवाल ने बताया कि पिछले साल कुंडला सिटी में इतना भयानक जलभराव हुआ था कि 50 से 60 गाड़ियां पानी में डूबकर खराब हो गई थीं, जिसके नुकसान की आज तक भरपाई नहीं हो पाई है। इस साल भी बुधवार की सुबह फिर से वही हालात बन गए, हालांकि पिछले साल की तुलना में पानी थोड़ा कम है। इससे राहत जरूर है लेकिन कॉलोनी की सड़कों में बच्चे, बुजुर्गों का निकलना मुश्किल भरा है। बारिश से पहले ही कुंडला वासियों ने नगर निगम के सहयोग से पीछे खेत की तरफ जाने वाले पानी निकासी के रास्ते को पोकलेन मशीन लगाकर साफ करवाया था, और वहां एक अस्थायी नाला बनाया गया, तब जाकर पानी निकला। उन्होंने बताया कि महापौर और सांसद पिछले साल यहां की दुर्गति को देखने आए थे, मशीनें भी आई थीं, लेकिन निगम के अधिकारियों ने खुद कहा था कि उनके पास इतने बड़े नाले और तालाब जैसी जगह को साफ करने के संसाधन नहीं हैं। इसके बाद कुंडला सिटी कॉलोनी के लोगों ने अपने पास से 2 से 3 लाख रुपये चंदा इकट्ठा करके खुद ही काम करवाया। निगम से कोई खास सहयोग नहीं मिला।

अग्रसेन चौक और अयान मार्ग का पानी घुस रहा

कॉलोनी के लोगों का कहना है कि, अग्रसेन चौक तरफ से शहर का पूरा पानी ढलान होने के कारण कुंडला सिटी कॉलोनी में घुसता है, साथ ही अयान मार्ग का पानी रोड क्रॉस करते हुए रिलायंस पेट्रोल पंप से सीधे कुंडला में प्रवेश कर जाता है। शहर की सड़कों में दोनों तरफ नाली नहीं होने से पानी गटर में जाने के बजाए सीधे कॉलोनी में आ जाता है, जो कुंडला सिटी के रहवासियों और दुकान संचालकों के लिए नुकसानदेह है।

भविष्य में स्थिति और भी हो सकती है गंभीर

शुभम का कहना है कि कुंडला सिटी के पीछे जहां से पानी निकलता था, वहां नई प्लॉटिंग और मकान बनने शुरू हो गए हैं, जिससे भविष्य में स्थिति और भी गंभीर होगी। अगर इसी तरह बारिश होती रही तो पूर्व जैसे गंभीर हालात बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। अभी तो नुकसान नहीं हुआ, लेकिन खतरा टला नहीं है। रहवासियों ने निगम प्रशासन से स्थायी ड्रेनेज सिस्टम बनाने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान बनने वाली चिंता की स्थिति से मुक्ति मिले।

कच्चा नाला बनवाने से इस बार पानी थोड़ा कम

कुंडला समिति के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने नगर निगम और बिल्डर दोनों की लापरवाही उजागर करते हुए बताया कि पिछली बार की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, 4 से 5 फिट पानी भरने से 50-60 गाड़ियां खराब हो गई थीं। इसके बाद कॉलोनी वालों ने दो लक्ष्य तय किया, एक तो पानी की निकासी सुनिश्चित करना और दूसरा बाहर से आने वाले भारी पानी को रोकना। इसके लिए उन्होंने अपने स्तर पर काफी प्रयास किया। नगर निगम से बैठकें कीं। महापौर आईं, पार्षद आए, वार्ड प्रभारी मनीष भी आए। आश्वासन मिला, लेकिन मदद के नाम पर सिर्फ 2 डम्पर 8-8 ट्रिप के लिए मिले। इसके अलावा जितना भी काम हुआ, हमने घर-घर से चंदा इकट्ठा करके अपने पैसों से करवाया। करीब 3 लाख रुपये लगाकर पीछे खेत की तरफ जाने वाले रास्ते को पोकलेन से साफ करवाया, एक कच्चा नाला बनवाया, तब जाकर इस बार पानी थोड़ा कम भरा।

ठेकेदार नहीं करते जाम नालियों की सफाई

अध्यक्ष ने बताया कि कुंडला सिटी में नीचे तक बसाहट है और शहर का पूरा पानी ढलान के कारण यहीं आता है। अग्रसेन चौक से लेकर अयान मार्ग तक का पूरा पानी रिलायंस पेट्रोल पंप होते हुए सीधे कुंडला परिसर में घुसता है। शहर की सड़कों में दोनों तरफ नाली नहीं है, इसलिए पानी नाली में जाने की जगह कॉलोनी में आ जाता है। दूसरी सबसे बड़ी लापरवाही निजी स्वच्छता ठेकेदार की है। निगम ने कह दिया है कि कुंडला सिटी निजी ठेकेदार को दिया गया है। ठेकेदार द्वारा नालियों की सफाई नहीं कराई जाती, रोज झाड़ू नहीं लगता है। प्लास्टिक-कचरा नालियों को जाम कर देता है और पानी निकल ही नहीं पाता।

मकान वापस देकर पैसा ले जाओ

कॉलोनी के अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने बिल्डर पर भी आरोप लगाया। बोले, कानूनी रूप से बिल्डर द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था, वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं की गई। नालियां बहुत छोटी बनाई गई हैं। निकासी को बस कुंडला से बाहर छोड़ दिया गया, आगे कोई पक्का नाला ही नहीं बनाया। बिल्डर ने पूरी कॉलोनी बेच दी और अब कोई शिकायत करता है तो बोल देता है, आपको अच्छा नहीं लग रहा तो मकान वापस देकर पैसा ले जाओ।

एक करोड़ के फंड का लालीपॉप

अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने कहा कि मंत्री से लेकर शासन तक इस ओर ध्यानाकर्षण के बाद सरकारें बदलीं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला कि, अब अच्छा होगा। अभी चर्चा है कि एक करोड़ का फंड रिलीज हुआ है, रोड मैप बन गया है, अगले साल पानी नहीं भरेगा, लेकिन अभी तक जमीनी हकीकत नजर नहीं आ रही है। पीछे जहां से पानी निकलता था, वहां अब नई प्लॉटिंग शुरू हो गई है, जिससे भविष्य में हालात और भयावह होंगे। निगम अगर स्थायी ड्रेनेज प्लान नहीं बनाता है तो कुंडला सिटी हर साल डूबते रहेगा।

घुटरापारा में घरों में घुसा बारिश का पानी, बेडरूम, किचन तक सुरक्षित नहीं

बारिश से सिर्फ कॉलोनी ही प्रभावित नहीं हुए हैं बल्कि बस्तियों में भी हा-हाकार मचा है। शहर के घुटरापारा इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। लोगों के घरों में घुटने तक पानी भर गया है, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। घर के अंदर घुसे पानी को बाल्टी और डिब्बों से बाहर निकालने में लोग लगे हैं। बेडरूम, किचन हर जगह पानी भर गया है। घर के बाहर खड़ी कार तक आधी से अधिक पानी में डूब जा रही है। घुटरापारा की गलियों तक यही हाल है। बीते वर्ष भी ऐसे ही हालात का सामना लोग किए।

स्थानीय लोगों के अनुसार तेज बारिश होने पर महामाया पहाड़ का पानी बहकर सीधे बस्ती तक आ जाता है। पानी निकासी का कोई बड़ा नाला नहीं होने से घरों में पानी भर जाता है। बारिश का पानी भरने से लोगों के घरों में रखा अनाज, चावल, दाल, आटा सब खराब हो रहा है। कई सामान, चप्पल, जूते पानी में तैर रहे हैं। खाना बनाने के लिए जगह तलाशना पड़ रहा है। बच्चे स्कूल जाने के लिए रास्ता तलाश रहे हैं। रात से सुबह तक बेडरूम और किचन को बचाने में परिवार के सदस्यों के लगे रहने से कई बच्चों की स्कूल से भी दूरी बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिक निगम ने बरसात से पहले पानी निकासी के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की। नालियों की सफाई नहीं हुई और जलजमाव की स्थिति न बने, इसके लिए किसी प्रकार की ठोस प्लानिंग नहीं करने से हालात बदतर हैं। पानी का प्राकृतिक बहाव अवरूद्ध है। हर साल उम्मीद रहती है कि किसी प्रकार की पहल होगी, लेकिन बरसात के समय जमीनी स्तर पर ड्रेनेज व्यवस्था के लिए किसी प्रकार का काम नहीं होने की तस्वीर सामने आती है।

खराब सड़क को लेकर पूर्व मंत्री के नेतृत्व में एनएच-43 पर 2 घंटे चक्काजाम

छ.ग.फ्रंटलाइन सीतापुर। सीतापुर-अंबिकापुर नेशनल हाईवे की बदहाली को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को बड़ा आंदोलन किया। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसियों ने अपरान्ह 3 बजे से नेशनल हाईवे को पूरी तरह जाम कर दिया। करीब दो घंटे तक हाईवे पर वाहनों का पहिया थमा रहा, दोनों तरफ कई किलोमीटर तक ट्रकों और बसों की लंबी कतार लग गई। इससे पहले दोपहर 12 बजे पूर्व मंत्री के निवास के सामने जनसभा आयोजित की गई थी। जनसभा में अमरजीत भगत ने प्रदेश सरकार और स्थानीय विधायक पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सीतापुर नगर की महज तीन किलोमीटर सड़क का निर्माण विधायक तीन साल में नहीं करा सके। सड़क पर एक-एक फीट के गड्ढे हो गए हैं, रोज बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं, गाड़ियां पलट रही हैं। उन्होंने कहा कि कई बार प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों को ज्ञापन, चेतावनी देने के बाद भी इस सड़क की किसी ने सुध नहीं ली। मजबूरन हमें सड़क पर उतरना पड़ा।

अफसरों ने मौके पर दिया लिखित आश्वासन

चक्काजाम की सूचना मिलते ही एसडीएम सीतापुर और नेशनल हाईवे विभाग के कार्यपालन अभियंता मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूर्व मंत्री अमरजीत भगत से चर्चा की। अधिकारियों ने लिखित आश्वासन दिया कि 15 अक्टूबर के बाद सीतापुर की सड़क का पूर्ण नवनिर्माण शुरू कर दिया जाएगा। नवनिर्माण से पहले बरसात को देखते हुए 7 दिन के भीतर सभी बड़े गड्ढों को मुरम और गिट्टी से अस्थायी रूप से भर दिया जाएगा। लिखित आश्वासन मिलने के बाद कांग्रेसियों ने शाम करीब 5 बजे चक्काजाम समाप्त किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत माता चौक से दरिमा मोड़ तक बोल्डर से पाटे गए गड्ढों ने बढ़ाया खतरा

नेशनल हाईवे-43 पर बुधवार को हालत बद से बदतर रही। भारत माता चौक से दरिमा चौक तक घंटों लंबा जाम लगा रहा। बारिश के कारण सड़क पर पानी भरने और जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से वाहनों की रफ्तार थम गई। कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लगने से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। मरीज को लाने-ले जाने में लगी संजीवनी एम्बुलेंस भी जाम में काफी देर तक फंसी रह गई। भाजपा संगठन महामंत्री की फटकार के बाद ठेकेदार ने गड्ढों में बोल्डर डालकर भराव कर दिया है, जिससे सड़क और संकरी और खतरनाक हो गई है। बारिश का पानी भरने से गड्ढों का अंदाजा नहीं लग रहा, जिससे छोटे-बड़ वाहन चालक परेशान हैं।

44 लाख स्वीकृत, फिर भी राहत नहीं-भारत माता चौक से दरिमा चौक तक सड़क के नवनिर्माण के लिए करीब 44 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ। कांग्रेस ने भी सड़क की बदहाली को लेकर प्रदर्शन कर जल्द निर्माण की मांग की है।

चार्जर में जुगाड़ ने ली जान, करंट से युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। मोबाइल चार्ज करने के चक्कर में किए गए जुगाड़ ने एक युवक की जान ले ली। घटना उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डोंडी की है। युवक चार्जर में अतिरिक्त तार जोड़कर बोर्ड में लगाने के दौरान करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, घटना के समय मृतक रविन्द्र सिंह का चाचा ठाकुर सिंह एक सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे सब्जी लेने अपने भतीजे के घर गया था। घर के अंदर घुसते ही उसने देखा कि उसका भतीजा रविन्द्र जमीन पर गिरा हुआ है और छटपटा रहा है। चाचा को सामने देखकर भतीजे ने किसी तरह कहा करंट मार रहा है, तार छुड़ाओ। ठाकुर सिंह ने हिम्मत दिखाते हुए तुरंत बिजली बोर्ड से तार को हटाया, तो पता चला कि युवक ने मोबाइल चार्जर के तार में दूसरा तार जोड़कर जुगाड़ से उसे प्लग में लगाया था। चार्ज करते समय तार में उसकी दोनों हाथों की उंगलियां चिपक गईं और वह बुरी तरह करंट की चपेट में आ गया। परिजन आनन-फानन में उसे सीएचसी उदयपुर लेकर भागे, यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उदयपुर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव को पंचनामा, पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

वाहन पार्किंग विवाद: मंडल अध्यक्ष से मारपीट पर सियासत गर्म

कार की चाबी छीनने पर भड़के युवकों ने बीच सड़क में पीटा, महिला से मारपीट पुष्ट नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वाहन पार्किंग को लेकर हुए मामूली विवाद ने शहर में राजनीतिक रंग ले लिया है। कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह सिद्धू के साथ हुई मारपीट के मामले में कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपनाते हुए दूसरे पक्ष के प्रकाश साहू का नाम एफआईआर में जोड़ने की मांग की है। वहीं दूसरा पक्ष वीडियो को सबूत बता रहा है। घटना 29 अगस्त की रात की है।

जानकारी के मुताबिक, गुरप्रीत सिंह सिद्धू का कुछ नवयुवकों के साथ कार पार्किंग को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर गुरप्रीत ने युवकों की गाड़ी की चाबी छीन ली और युवक साहिल को उसके पिता को बुलाने को कहा। जब साहिल के पिता सुनील साहू मौके पर पहुंचे तो गुरप्रीत ने बेसबॉल स्टिक निकाल ली और पिता-पुत्र के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट का प्रयास किया। इसी दौरान मामला बिगड़ गया और आक्रोशित नवयुवकों ने बीच सड़क पर ही गुरप्रीत सिंह की जमकर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि पूरी घटना का वीडियो गुरप्रीत सिंह की पत्नी अपने घर की छत से बना रही थी। गुरप्रीत की पत्नी के साथ कोई मारपीट हुई हो ऐसा वीडियो में नजर नहीं आ रहा है, जबकि उनकी ओर से युवकों पर पत्नी के साथ मारपीट के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

बीच-बचाव करने वाले की गाड़ी में तोड़फोड़

मारपीट के बाद नवयुवक अपनी गाड़ी की चाबी लेकर भाग गए। आरोप है कि इसके बाद गुरप्रीत सिंह ने बीच-बचाव करने आए संजीव चटर्जी की जमकर पिटाई कर दी और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। बाद में उसी संजीव चटर्जी का नाम भी एफआईआर में दर्ज करा दिया गया, साथ ही अपने एक पुराने साथी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के दूसरे दिन कांग्रेसजनों ने एसएसपी से मिलकर निष्पक्ष जांच और प्रकाश साहू का नाम एफआईआर में जोड़ने की मांग की है।

घटनाक्रम से उठ रहे सवाल

इस पूरे घटनाक्रम के बाद कांग्रेस के जिला नेतृत्व पर भी सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस ने ऐसे व्यक्ति को मंडल अध्यक्ष क्यों बनाया है, जिस पर एक्ट्रोसिटी एक्ट सहित 8 गंभीर मामले दर्ज हैं और एक मामले में अभी भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। वार्ड में उसका जनाधार क्या है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। ऐसे में राजनीतिक जानकार सरगुजा की राजनीति में अपराधीकरण का खतरा बढ़ने की बातें भी कर रहे हैं।

गुरप्रीत के विरूद्ध दर्ज केस

अपराध क्रमांक 124/1995 धारा 324, 34 भादवि, अपराध क्रमांक 432/1998 धारा 307, 147, 148, 149, 506-बी, 323 भादवि व 25 आर्म्स एक्ट, अपराध क्रमांक 401/1998 धारा 323, 294, 147, 148, 149 भादवि, अपराध क्रमांक 4/2009 धारा 294, 506, 323 भादवि, अपराध क्रमांक 790/2009 धारा 294, 506, 323 भादवि, अपराध क्रमांक 422/2018 धारा 279, 337 भादवि, थाना मणिपुर अपराध क्रमांक 22/2026 धारा 296, 351(3), 115(2), 119(2) बीएनएस एवं 3(1)(एस) एससी/एसटी एक्ट 1989, अपराध क्रमांक 152/2026 धारा 296, 115(2), 3(5) बीएनएस।

निगम के सभापति ने एसएसपी को सौंपा पत्र, घटना की सच्चाई सामने लाने का आग्रह

दर्रीपारा मोहल्ले में 29 अगस्त को हुई मारपीट की घटना को लेकर नगर पालिक निगम अंबिकापुर के सभापति हरमिंदर सिंह (टिन्नी) ने पुलिस अधीक्षक, सरगुजा को आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। आवेदन में उन्होंने दर्ज प्रकरण की परिस्थितियों की विस्तृत जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने का आग्रह किया है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि, 29 अगस्त को दर्रीपारा में दो वाहनों के आमने-सामने आने के बाद सड़क की कम चौड़ाई को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और मारपीट की स्थिति निर्मित हुई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीच विवाद बढ़ने के दौरान दोनों पक्षों को चोटें भी आईं। पूरे घटनाक्रम से संबंधित वीडियो के आधार पर मामले की वस्तुस्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है। आवेदन में आरोप लगाया है कि, विवाद दौरान राजनीतिक रंजिश के चलते भाजपा के स्थानीय नेताओं एवं समाजसेवी सूर्यप्रकाश साहू का नाम लेकर भी टिप्पणी की गई तथा उन्हें किसी प्रकरण में फंसाने की बात कही गई। उन्होंने कहा सूर्यप्रकाश साहू द्वारा पूर्व में सामाजिक एवं जनहित से जुड़े अनेक कार्य किए गए हैं और उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की साजिश अथवा राजनीतिक दुर्भावना की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि प्रकरण से जुड़े सभी वीडियो, साक्ष्यों एवं बयानों की निष्पक्षता से जांच की जाए, संबंधित व्यक्तियों के पूर्व प्रकरणों की भी विधिसम्मत जानकारी लेकर पूरे मामले की वास्तविकता सामने लाई जाए। निष्पक्ष जांच से ही घटना की वास्तविक सच्चाई सामने आएगी और दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी। इस मौके पर पार्षद जितेंद्र सोनी, विजय सोनी, विपिन पांडेय, दूधनाथ गोस्वामी, राजबहादुर सिंह सहित महिला पार्षद एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

तालाब में नहाते वक्त काटा सांप, महिला की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दशकर्म में गई महिला को तालाब में नहाते वक्त सांप काट लिया। स्वजन बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर थाना क्षेत्र के बिशुनपुर खुर्द की जोसफीना टोप्पो पति स्व. निगम टोप्पो 35 वर्ष, मंगलवार को रिश्तेदारी में दशकर्म कार्यक्रम के दौरान अन्य महिलाओं के साथ गांव के ही तालाब में नहाने के लिए गई थी। नहाने के बाद ठीक नहीं लगने पर वह घर आ गई और अपने देवर नीलम कुमार को बताई के तालाब में नहाते वक्त सांप काट लिया है। इसके बाद वह अपने कमरे में जाकर सो गई। इस बीच घर में मौजूद पुत्र अपनी मां को आवाज लगाते हुए हिला-डुलाकर देखा तो वह नहीं उठी। मां के बेहोश होने की जानकारी वह अपने चाचा नीलम कुमार को दिया। स्वजन उसे आनन-फानन में निजी वाहन से मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

संजयनगर डेम में मिट्टी भसकी, ओवरफ्लो पानी घरों में घुसा

भारी बारिश से दहशत में ग्रामीण, कच्चे मकानों पर मंडराया खतरा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। ग्राम पंचायत रवीन्द्रनगर और संजयनगर के मध्य स्थित संजयनगर डेम में बारिश के चलते स्थिति चिंताजनक हो गई है। डेम के एक हिस्से में मिट्टी भसकने से जहां ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, वहीं पानी के ओवरफ्लो होने के कारण आसपास के लोगों के घरों में पानी प्रवेश करने लगा है।

लगातार बारिश के चलते डेम में पानी का दबाव बढ़ गया है। इसी बीच एक स्थान पर मिट्टी के भसकने की जानकारी सामने आने के बाद आसपास रहने वाले लोगों की चिंता और बढ़ गई है। पानी के ओवरफ्लो होने से निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने लगी है और कई घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।घर-आंगन में पानी घुसने से ग्रामीणों में भय का माहौल है। लगातार पानी भरने और मिट्टी के कमजोर होने के कारण कच्चे मकानों के जमींदोज होने की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीणों को डर है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा और डेम का जलस्तर और बढ़ा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से डेम और आसपास के जलभराव वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखने की मांग की है। स्थिति को देखते हुए डेम के क्षतिग्रस्त हिस्से में फिलहाल मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। हालांकि लगातार बारिश के बीच मरम्मत कार्य को लेकर भी चुनौती बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते डेम के कमजोर हिस्से को मजबूत नहीं किया गया तो पानी के बढ़ते दबाव से परेशानी और बढ़ सकती है। भारी बारिश का असर केवल आबादी वाले क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि खेतों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ने की आशंका है। खेतों में पानी भरने तथा लगातार बारिश के कारण फसलों के खराब होने की स्थिति निर्मित हो रही है। किसानों को आशंका है कि यदि बारिश इसी तरह जारी रही तो तैयार और खेतों में खड़ी फसलों को काफी नुकसान हो सकता है। लगातार बारिश ने क्षेत्र की सड़कों, निचले इलाकों और जलस्रोतों की स्थिति भी बिगाड़ दी है।

फिल्टर प्लांट में भी बढ़ा जलस्तर

बिश्रामपुर के एसईसीएल फिल्टर प्लांट में भी लगातार बारिश के कारण रेण नदी में पानी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। ऐसे में यदि बारिश का दौर आगे भी जारी रहता है और जलस्तर नियंत्रित करने के लिए ठोस इंतजाम नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में एसईसीएल की कॉलोनियों में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि यहां पर फिल्टर प्लांट में पानी के पहुंचने में महज 1-2 मीटर ही बचा है, जो रात तक पहुंच सकता है।

यदि घुनघुट्टा डेम का तीन गेट तो फिलहाल खुला हुआ है लेकिन अगर अन्य और गेट खोल दिए गए तो यहां पर स्थिति का रौद्र रूप देखने को मिलने की बात भी कही जा रही है।

महंगाई पीएचसी में औषधि वितरण कर दिलाई नशामुक्ति की शपथ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा जनस्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकार के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महंगई में औषधि वितरण एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में स्वास्थ्य केंद्र को आवश्यक औषधियां प्रदान की गई। साथ ही ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से नशामुक्ति की शपथ लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमाशंकर बैठा, आरजीके उपक्षेत्र के उपक्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत शर्मा, पर्यावरण एवं वन

के नोडल अधिकारी गौतम दत्त, चिकित्सक डॉ. सत्यपाल जोहले, रेहर कालरी प्रबंधक जीएस ठाकुर, नोडल अधिकारी श्रेयांश दुबे सहित एसईसीएल के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में महंगई पीएचसी के चिकित्सक डॉ. किशन लाल सोने, आसपास के गांव के सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवा के साथ पर्यावरण एवं वन संरक्षण के प्रति जागरूकता पर भी जोर दिया गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गौरीशंकर मंदिर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर श्री गौरीशंकर मंदिर समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान, अखंड संकीर्तन, मटकी फोड़ और मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि श्री गौरीशंकर मंदिर समिति के तत्वावधान में 3 सितंबर की रात 9 बजे भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। प्रतिमा स्थापना के बाद मंदिर परिसर में विधिवत पूजा अर्चना के अलावा अखंड संकीर्तन का शुभारंभ होगा। वहीं अगले दिन 4 सितंबर की शाम 7 बजे मंदिर प्रांगण में ही मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़े इस पारंपरिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में उत्सव और उमंग का माहौल देखने को मिलेगा।इसके बाद देर रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का मुख्य कार्यक्रम होगा। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर परिसर शंख-घंटियों और जयकारों से गूंज उठेगा। श्रद्धालु भगवान के बाल स्वरूप का दर्शन कर पूजा-अर्चना कर जन्मोत्सव की खुशियां मनाएंगे।

मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाने की अपील की है। उक्ताशय की जानकारी श्री गौरीशंकर मंदिर समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता ने दी है।

नशे में बाइक चलाने पर 10 हजार जुर्माना

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रटंलाइन। सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए एसएसपी के निर्देश पर यातायात नियम तोड़ने वालों पर स त कार्रवाई जारी है।

इसी क्रम में बतौली पुलिस ने चेकिंग दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 ईके 3124 के चालक निलेश तिर्की पिता गोहदुल तिर्की 25 वर्ष निवासी देवरी को शराब के नशे में वाहन चलाते पाया। मेडिकल जांच में भी नशे की पुष्टि हुई। पुलिस ने धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक सेंगर सहित टीम सक्रिय रही।

15 रेल कर्मचारियों के रोके गए वेतन जारी करने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। तबादला आदेश जारी होने के बावजूद कार्यमुक्त नहीं किए गए 15 रेल कर्मचारियों का वेतन रोके जाने के मामले में रेलवे मजदूर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज कराते हुए वेतन जारी करने की मांग की है। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 1 सितंबर को डीआरएम बिलासपुर राकेश रंजन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है।

मजदूर कांग्रेस के मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री एवं केंद्रीय कोषाध्यक्ष साईं किरण ने बताया कि संबंधित कर्मचारियों ने पूरे माह नियमित रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और उनकी उपस्थिति भी संबंधित विभागों के हाजिरी रजिस्टर में दर्ज है। इसके बावजूद तबादला आदेश के कारण उन्हें मौजूदा शाखाओं से कार्यमुक्त नहीं किए जाने पर वेतन रोक दिया गया था। संगठन ने कहा कि कार्यमुक्त नहीं किया जाना प्रशासनिक कारणों से था, जिसमें कर्मचारियों की कोई गलती नहीं थी। ऐसे में उनका अर्जित वेतन रोकना अनुचित है और इससे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने बताया कि डीआरएम राकेश रंजन ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के बाद तत्काल संबंधित अधिकारियों को 15 कर्मचारियों का रोका गया वेतन जारी करने के निर्देश दिए हैं।

एकल विद्यालय की बहनों ने पुलिस कर्मियों को बांधी राखी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रक्षा बंधन उत्सव के पावन पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अनुसांगिक संगठन एकल विद्यालय संच जयनगर की 30 ग्राम पंचायत में विघालय संचालन करने वाले बहनों ने अनूठी पहल करते हुए आमजन की सुरक्षा में दिन-रात तैनात पुलिस कर्मियों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। एकल विद्यालय की बहनें जयनगर थाना पहुंचकर पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस दौरान बहनों ने पुलिस कर्मियों के माथे पर तिलक लगाकर राखी बांधी और उनके सुख समृद्धि एवं दीर्घायु जीवन की कामना की, पुलिस जवानों ने भी बहनों की सुरक्षा और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही एकल विद्यालय की बहनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भाइयों को भी राखी बांधकर पवित्र रिश्ता को मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान एकल विद्यालय की बहनों ने कहा कि पुलिस कर्मी अपने परिवार से दूर रहकर समाज की सुरक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, ऐसे में रक्षा बंधन उत्सव के अवसर पर उनके साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाना गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने समाज और राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव सहयोग करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर एकल विद्यालय की मानकुमारी, तपेश्वरी राजवाड़े, शशिकला प्रजापति, किरण सिंह, वृन्दावती, कांति प्रजापति, इन्द्रावती सिंह, उर्मिला सिंह, विंदू सिंह, लक्ष्मी राजवाड़े, चंदा राजवाड़े, ईश्वर यादव, बालेश्वर सिंह, अंचल समिति रामनारायण प्रजापति, संच पालक प्रदीप झा, देवशरण सिंह व अन्य उपस्थित रहे।

फसलों को नुकसान पहुंचा रहे दो दर्जन से अधिक मवेशियों को बनाया बंधक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्रामीण अंचलों में खुलेआम घूम रहे मवेशियों से किसानों को हो रहे फसल नुकसान और सड़क पर बढ़ते हादसों की समस्या एक बार फिर सामने आई है। ग्राम पंचायत बलरामपुर में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले दो दर्जन से अधिक मवेशियों को पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पकड़कर पंचायत प्रांगण में दो दिनों तक रखा, जिसके बाद पूरे मामले को लेकर क्षेत्रवासियों में चर्चा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे मवेशियों से परेशान ग्रामीणों ने उन्हें पकड़कर पंचायत परिसर में रखा था। मवेशियों को दूसरे दिन तक पंचायत प्रांगण में रखे जाने के बाद गौ सेवा समिति के सदस्यों ने मामले में हस्तक्षेप किया, जिसके पश्चात सभी मवेशियों को छोड़ दिया गया है। हालांकि मवेशियों को पंचायत परिसर में रखे जाने के दौरान उनके लिए चारा-पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आने पर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि फसलों की सुरक्षा के लिए मवेशियों को पकड़ना एक अलग विषय है, लेकिन उन्हें रखने के दौरान उनके भोजन और पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से ग्रामीण अंचलों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी आवारा एवं खुले में घूमने वाले मवेशियों का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। कई स्थानों पर मवेशियों के झुंड सड़क के बीचोंबीच बैठे दिखाई देते हैं, जिससे वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। रात के समय सड़क पर बैठे मवेशी वाहन चालकों के लिए और भी बड़ा खतरा बन जाते हैं। सड़कों पर मवेशियों के बैठे रहने से आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में भी खुले में घूमने वाले मवेशी किसानों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बने हुए हैं। तैयार हो रही फसलों में मवेशियों के झुंड घुस जाने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।किसान दिन-रात अपनी मेहनत से तैयार की गई फसल को बचाने के लिए खेतों की निगरानी करने को मजबूर हैं। लोगों ने मांग की है कि आवारा मवेशियों की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए तथा पंचायत स्तर पर उन्हें सुरक्षित रखने, चारा-पानी उपलब्ध कराने और उनके मालिकों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

संभागायुक्त ने कलेक्टर कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

कार्यालय की शाखाओं में पहुंचकर, नस्तियों के संधारण एवं कार्यप्रणाली का किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने कलेक्टर कार्यालय बलरामपुर की विभिन्न शाखाओं में पहुंचकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली एवं नस्तियों के संधारण का बारीकी से अवलोकन किया। शासकीय कामकाज में पारदर्शिता, गतिशीलता और डिजिटल पद्धति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के कड़े निर्देश दिए।

लोक सेवा केंद्र में उन्होंने नागरिकों से प्राप्त आवेदनों, उनके निराकरण की स्थिति तथा लंबित प्रकरणों की अद्यतन जानकारी ली और कहा कि हितग्राहियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवाएं मिलें, कोई भी आवेदन अकारण लंबित न रहे। आवक-जावक शाखा में उन्होंने डाक प्राप्ति एवं प्रेषण के समस्त कार्य अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस के जरिए संपादित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालय में मैनुअल पहुंचने वाले सभी पत्रों को पहले स्कैन कर प्रणाली में दर्ज किया जाए, इसके बाद ही संबंधित शाखाओं को भेजा जाए। निरीक्षण की कड़ी में उन्होंने स्थापना, वरिष्ठ लिपिक शाखा, नाजरात तथा शिकायत शाखा सहित अन्य कक्षों का भ्रमण किया। शाखा प्रभारियों को नस्तियों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने, लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने तथा समस्त नोटशीट व पत्राचार डिजिटल माध्यम से ही करने को कहा गया। दुग्गा ने सभी शासकीय सेवकों को निर्धारित कार्यालयीन समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने की सख्त हिदायत दी।

इस अवसर पर कलेक्टर चन्दन संजय त्रिपाठी, उप आयुक्त आर.के. खूंटे एवं शारदा अग्रवाल उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने शंकरगढ़ एवं मनोहरपुर स्वास्थ्य केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनोहरपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, भर्ती वार्ड, प्रयोगशाला एवं फार्मेसी इकाई का अवलोकन कर साफ-सफाई, दवा भंडारण और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वार्डों में मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं तथा भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली। डॉ. सिंह ने फार्मेसी में आवश्यक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक एवं सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी मरीज को बाहर से दवा न खरीदनी पड़े। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक पैथोलॉजी जांचें अस्पताल परिसर में ही सुचारू रूप से संचालित हों। उन्होंने एम्बुलेंस एवं आपातकालीन सेवाओं की चौबीसों घंटे तत्परता, बायो-मेडिकल वेस्ट के बेहतर प्रबंधन, अस्पताल परिसर की स्वच्छता तथा कर्मचारियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

खपरगंज पथराव के बाद बिलासपुर में शांति की पहल, 3 सितंबर को निकलेगा शांति मार्च

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। रक्षाबंधन की रात खपरगंज में हुए पथराव और हिंसा के बाद अब शहर में स्थिति सामान्य हो गई है। शांति और भाईचारा बनाए रखने के लिए शांति समिति ने 3 सितंबर को शांति मार्च निकालने का फैसला किया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सभी समाज, समुदाय के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और मीडिया प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि 3 सितंबर को शाम 4 बजे नेहरू चौक से शांति मार्च निकाला जाएगा, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गांधी चौक पर समाप्त होगा। सभी समाज के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

कलेक्टर ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि बिलासपुर की पहचान शांति और भाईचारे से है। सभी नागरिक संयम रखें और शांतिपूर्ण माहौल को मजबूत करें। किसी भी अफवाह या गलत जानकारी पर भरोसा न करें और उसे आगे न फैलाएं। प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

एसएसपी ने नागरिकों का जताया आभार

एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा कि शहर में अब शांति लौट आई है। इसे सामान्य बनाने में नागरिकों और मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में तीज-त्योहारों के आयोजन होंगे, इनमें शांति और अनुशासन बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। नशे की हालत में या हथियार लेकर आने वालों को आयोजनों में शामिल न किया जाए। उन्होंने अपील की कि किसी भी अफवाह, भ्रामक सूचना या विवाद की स्थिति में कानून हाथ में न लें, तत्काल पुलिस-प्रशासन को सूचना दें। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने प्रशासन को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया और स्थिति को बेहतर तरीके से संभालने के लिए कलेक्टर और एसएसपी का आभार जताया।

दूसरी शादी से नाराज पत्नी ने सौतन के ऊपर चाकू से किया जानलेवा हमला

विरार -पति की दूसरी शादी से नाराज एक महिला द्वारा अपनी सौतन के ऊपर चाकू से जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।यह घटना विरार (पश्चिम) स्थित मेफेयर गार्डन की है,जहां 22 वर्षीय युवती के ऊपर धारदार चाकू से हमला करके उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता कोमल अनिलकुमार सरोज (22) ने जुलाई 2026 में लक्ष्मी राजकुमार प्रसाद (31) पति से विवाह किया था। पति के इस दूसरे विवाह से लक्ष्मी बेहद नाराज चल रही थी। इसी रंजिश में लक्ष्मी ने मेफेयर गार्डन के बिल्डिंग नंबर 42, फ्लैट नंबर 504 में घुसकर कोमल पर चाकू से हमला बोल दिया। इस हमले में कोमल के सिर, दाहिने हाथ की हथेली और उंगलियों पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल पीड़िता का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

छत्तीसगढ़ महिला कोष से मिले ऋण ने हरमनिया की आजीविका को दी नई दिशा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ महिला कोष से मिले एक लाख रुपये के ऋण ने मेंड्राकला की हरमनिया देवी राजवाड़े और उनके स्व-सहायता समूह की जिंदगी बदल दी है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मेंड्राकला की रहने वाली हरमनिया देवी आकांक्षा स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। समूह की महिलाओं के सामने नियमित आय का कोई साधन नहीं था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से उन्हें महिला कोष से मिलने वाले ऋण की जानकारी मिली। समूह ने चर्चा कर आवेदन किया और एक लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ।

किराना और सिंगार दुकान से बढ़ी आमदनी

समूह ने आपसी सहमति से इस राशि से गांव में किराना और सिंगार सामग्री की दुकान शुरू की। दैनिक जरूरतों की मांग को देखते हुए दुकान धीरे-धीरे चल निकली और महिलाओं की नियमित आय शुरू हो गई।हरमनिया देवी ने बताया कि पहले स्थायी आजीविका नहीं थी, अब दुकान से आय होने लगी है। दुकान में धीरे-धीरे सामान बढ़ाया जा रहा है, जिससे मुनाफा भी बढ़ रहा है।

बच्चों की शिक्षा में भी मिल रहा लाभ

आमदनी बढ़ने से परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है। बच्चों की पढ़ाई और घर की जरूरतें पूरी करना अब आसान हो गया है। समूह की महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे परिवार की आर्थिक जरूरतों में योगदान दे पा रही हैं। हरमनिया देवी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास विभाग का आभार जताते हुए कहा कि महिला कोष ने उनके समूह को आत्मनिर्भरता का आधार दिया है।

एफसीआई गोदाम के पास गांजा और दलाल तालाब में शराब बेचते दो महिलाएं गिरफ्तार, 1.35 लाख का माल जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। तिल्दा-नेवरा पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन ह्यनिश्चयह्न के तहत दो अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 2.555 किलो गांजा और 86 पौवा अवैध शराब समेत कुल 1.35 लाख का माल जब्त किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मुनगी स्थित एफसीआई गोदाम के पास नीली साड़ी पहनी एक महिला थैला लेकर गांजा बेचने ग्राहक का इंतजार कर रही है। टीम ने मौके पर घेराबंदी कर महिला को पकड़ा। थैले की तलाशी में 2 किलो 555 ग्राम गांजा मिला, जिसकी कीमत करीब 1.25 लाख रुपये है। आरोपी की पहचान राखी देवार (40), निवासी वार्ड नंबर 15, तिल्दा के रूप में हुई। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत केस दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

दलाल तालाब के पास 86 पौवा शराब के साथ दूसरी महिला पकड़ाई

इसी दौरान वार्ड नंबर 15 के दलाल तालाब इलाके में अवैध शराब बिक्री की सूचना पर पुलिस ने दूसरी कार्रवाई की। मौके से चुनिया देवार (20) को 86 पौवा शराब बेचते हुए पकड़ा गया। उसके पास से 9,580 रुपये की

शराब और बिक्री के 450 रुपये नकद जब्त किए गए। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। कुल जब्ती 2.555 किलो गांजा - 1.25 लाख रुपये, 86 पौवा शराब - 9,580 रुपये, बिक्री की नगदी - 450 रुपये, कुल - 1,35,030 रुपये। पुलिस के अनुसार कार्रवाई एसएसपी ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन, एडिशनल एसपी चंचल तिवारी और एसडीओपी वीरेंद्र चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी की टीम ने की है।

3 सितंबर से प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए तृतीय काउंसलिंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि जिले में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय घंघरी में सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए तृतीय काउंसलिंग की सूची जारी कर दी गई है। परीक्षा परिणाम के बाद विभागीय वेबसाइट पर छात्र-छात्राओं की सूची और तिथि प्रदर्शित की गई है। काउंसलिंग 3 सितंबर से 9 सितंबर तक प्रयास आवासीय विद्यालय घंघरी में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। सीट रिक्त रहने पर प्रतीक्षा सूची वाले विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग 10 सितंबर से 15 सितंबर तक होगी। शासकीय अवकाश के कारण 4 से 6 सितंबर और 12 से 15 सितंबर तक काउंसलिंग नहीं होगी।

कलेक्टर ने किया लुण्ड्रा विकासखंड का दौरा, स्कूल, आंगनबाड़ी और पीडीएस का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव के साथ लुण्ड्रा विकासखंड का दौरा किया। उन्होंने स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पीडीएस दुकान और निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

विद्यालयों का निरीक्षण

कलेक्टर ने हाई स्कूल बबौली में 9वीं-10वीं के छात्रों से संवाद किया और रोज समाचार पढ़ने की आदत डालने को कहा। प्राथमिक शाला बबौली में शत-प्रतिशत उपस्थिति और मध्यान्ह भोजन में गैस व्यवस्था के निर्देश दिए। माध्यमिक शाला उरांव पारा में सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तक वितरण और अंग्रेजी के साथ हिंदी में अर्थ समझाने को कहा।

आंगनबाड़ी केंद्रों का जायजा

अमड़ी खास पारा और उरांव पारा केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार, साफ-सफाई और पेयजल की जांच की। समय पर केंद्र संचालन और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को

कहा। सुपोषण अभियान के मिलेट बार वितरण की भी जानकारी ली।

डिजिटल क्रॉप सर्वे

बबौली में डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण किया। सर्वेयर को सही फसल दर्ज करने और पड़ती भूमि की गिरदावरी में सावधानी बरतने के निर्देश दिए। पटवारी को जांच के बाद ही अप्रूवल देने और समय-सीमा में काम पूरा करने को कहा।

पीडीएस और निर्माण कार्य

पीडीएस भवन अमड़ी में राशन की गुणवत्ता, मात्रा और वितरण की जानकारी ली। राशन वाहनों में अनिवार्य रूप से फ्लेक्सी लगाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को डेढ़ महीने में पूरा करने, बबौली से बिल्हमा सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण और आंगनबाड़ी भवन को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

50 रुपये के किराए को लेकर विवाद; रिक्शा चालक की मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नवी मुंबई : 150 रुपये के रिक्शा किराए के लिए एक 18 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक की कहासुनी के बाद धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। यह घटना 29 अगस्त की तड़के वाशी के फोर्टिस अस्पताल के पास मिनी सी-शोर गार्डन इलाके में घटी। नवी मुंबई अपराध शाखा और वाशी पुलिस ने घटना के बाद ऑटो रिक्शा में फरार हुए दोनों आरोपियों का पता लगाकर उन्हें मानखुर्द इलाके से गिरफ्तार कर लिया। घनसोली निवासी 18 वर्षीय सुजान कुमार फेकु महतो 28 अगस्त की शाम को हमेशा की तरह रिक्शा से यात्री परिवहन के लिए निकले थे। 29 अगस्त की सुबह लगभग 3:36 बजे, कोपरखैरान रेलवे स्टेशन क्षेत्र के दो युवकों ने उनके रिक्शा में सवार होकर उन्हें मानखुर्द जाने को कहा। सुजान ने बताया कि इस यात्रा का किराया 150 रुपये है। दोनों के पास केवल 100 रुपये थे, इसलिए किराए को लेकर उनके बीच बहस हो गई। इसके बाद रिक्शा सेक्टर-5 स्थित हनुमान मंदिर क्षेत्र में पहुंचा। यहां आरोप है कि दो लोगों ने सुजान को धारदार हथियार दिखाकर धमकाया। इसके बाद उसे रिक्शा आगे चलाने के लिए मजबूर किया गया। कुछ दूर जाने के बाद सुजान को वाशी के फोर्टिस अस्पताल के पास मिनी सी-शोर गार्डन क्षेत्र में एक अन्य ग्राहक का फोन आया। इसलिए उसने रिक्शा में बैठे दोनों यात्रियों को उतरने के लिए कहा। इसके चलते एक और बहस छिड़ गई। इस बार पुलिस जांच में पता चला कि दोनों आरोपियों ने सुजान की गर्दन, सिर और हाथ पर धारदार हथियारों से हमला किया था। गंभीर रूप से घायल सुजान गिर पड़ा। उसकी मौत के बाद आरोपी उसका रिक्शा लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही वाशी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए वाशी पुलिस की अलग-अलग जांच टीमें गठित की गईं

नोनी सुरक्षा योजना से कौशिल्या रजवाड़े की बेटी का भविष्य हुआ सुरक्षित, एक लाख के बॉन्ड से मिली मदद

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन की नोनी सुरक्षा योजना बेटियों के भविष्य के लिए संबल बन रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत मेंड्राकला की रहने वाली कौशिल्या रजवाड़े की बेटी का भविष्य भी इसी योजना से सुरक्षित हुआ है। कौशिल्या ने बताया कि उनके पति राजेश कुमार रजवाड़े कृषि कार्य करते हैं। परिवार में तीन बच्चे हैं। बड़ी बेटी के भविष्य को लेकर वे चिंतित थीं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आवेदन किया। आवेदन पूरा होने के बाद उनकी बेटी का योजना में पंजीयन हुआ और उन्हें एलआईसी के माध्यम से एक लाख रुपये का बॉन्ड मिला।

योजना के तहत बेटी के 18 वर्ष पूरे करने और 12वीं पास करने के बाद यह राशि मिलेगी। कौशिल्या ने कहा कि खेती से होने वाली आय में बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना चुनौती भरा होता है। इस बॉन्ड से बेटी की आगे की शिक्षा और भविष्य की जरूरतें पूरी हो सकेंगी। इससे परिवार पर आर्थिक दबाव कम होगा और बेटी की पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी।

महिला-बाल विकास में 14 अधिकारियों का तबादला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महिला एवं बाल विकास विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। विभाग ने कार्यक्रम अधिकारी, उप संचालक और सहायक संचालक स्तर के 14 अधिकारियों का तबादला किया हैं। जारी आदेश में कई जिला कार्यक्रम अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को संचालनालय और राज्य स्तरीय संस्थानों में पदस्थ किया गया है। तबादला सूची के अनुसार जगरानी एक्का, जिला कार्यक्रम अधिकारी धमतरी को प्रभारी संयुक्त संचालक, संचालनालय महिला एवं बाल विकास बनाया गया है। वहीं नेरकर, उप संचालक संचालनालय को उप संचालक, राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र रायपुर की जिम्मेदारी दी गई है। चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी बेमेतरा को उप संचालक, संचालनालय महिला एवं बाल विकास तथा अजय शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी जशपुर को उप संचालक संचालनालय पदस्थ किया गया है। अशोक पांडेय को गरियाबंद से जिला अधिकारी दुर्ग कार्यक्रम और बृजेन्द्र सिंह ठाकुर को राजनांदगांव से प्रभारी सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग रायपुर भेजा गया है। इसके अलावा अवनी बिस्वाल को राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र से उप संचालक संचालनालय, जबकि वरूण नागेश को राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र से जिला कार्यक्रम अधिकारी गरियाबंद बनाया गया है। राजकुमार जाम्बुलकर को दुर्ग से जिला कार्यक्रम अधिकारी राजनांदगांव और सुधाकर बोदले को सक्ती से उप संचालक, क्षेत्रीय महिला प्रशिक्षण संस्थान सरगुजा की जिम्मेदारी दी गई है। सहायक संचालक स्तर पर भी बदलाव किए गए हैं। लुपेन्द्र महिनाग को नारायणपुर से प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी धमतरी, ऋतीश कुमार टंडन को सुकमा से प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी बेमेतरा और अतुल दाण्डेकर को राज्य स्तरीय संसाधन केंद्र रायपुर से प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी सक्ती बनाया गया है। वहीं अनुकूल पांडेय, सहायक संचालक रायपुर को जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कांकेर से प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी जशपुर की जिम्मेदारी सौपी गई है।

बोगस आदिवासी प्रमाणपत्र मामले में सुलेखा चव्हाण को अयोग्य घोषित करने की मांग

ठाणे : अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीट से निर्वाचित नगरसेविका सुलेखा चव्हाण का नगरसेवक पद रद्द कर उन्हें अयोग्य घोषित करने की मांग को लेकर आदिवासी नेता लकी जाधव के नेतृत्व में आदिवासी समाज के लोगों ने ठाणे महानगर पालिका मुख्यालय पर मोर्चा निकाला। आंदोलनकारियों का आरोप है कि सुलेखा चव्हाण द्वारा प्रस्तुत किया गया

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम सुषमा चौहान (ANI CHOHSUSMA CHOUHAN) पिता गिरधारी चौहान, निवासी ग्राम सिलफीली पोस्ट करसी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़, है, तथा मेरे पुराने दस्तावेजों में मेरी जन्मतिथि 01/01/2011 दर्ज है।मैंने अपना नाम बदलकर नया नाम सुषमा सिंह (SHUSMA SINGH) रख लिया है। मेरी सही जन्मतिथि 18/02/2004 है।भविष्य में मुझे मेरे नए नाम सुषमा सिंह से ही जाना व पहचाना जाये।पुराना नाम - सुषमा चौहान

नया नाम - सुषमा सिंह
हस्ताक्षर - सुषमा सिंह
दिनांक - 02/09/2026

सम्पादकीय

बाहरी दबाव के बीच विकास की रफ्तार

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराती अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहना इस बात का संकेत है कि बाहरी झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक ताकत बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस अवधि में सात प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया था। उससे अधिक की वृद्धि ने न केवल आर्थिक गतिविधियों की मजबूती दिखाई है, बल्कि यह भी साबित किया है कि घरेलू मांग अभी दबाव में पूरी तरह नहीं आई है। वित्तीय सेवाओं, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं में दो अंकों से अधिक की वृद्धि ने इस विस्तार को गति दी है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अनिश्चितता के बीच मांग और निवेश को कैसे बनाए रखा जाए। हालांकि सकल घरेलू उत्पाद की तेज वृद्धि अपने आप में यह प्रमाण नहीं है कि आम नागरिक की आर्थिक स्थिति भी उसी अनुपात में सुधरी है। अर्थव्यवस्था का वास्तविक स्वास्थ्य, रोजगार, मजदूरी, ग्रामीण मांग, छोटे कारोबार और परिवारों की क्रय शक्ति से भी तय होता है। जीडीपी की गणना के लिए 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाना भी बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप आवश्यक कदम है। पिछले आधार वर्ष के समय देश की आर्थिक संरचना और आज की अर्थव्यवस्था में बड़ा अंतर है। डिजिटल कारोबार, ऑनलाइन सेवाएं, नई तकनीक, बदलते उपभोग के तौर-तरीके और नए रोजगार स्वरूप आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में नए आधार वर्ष और व्यापक आंकड़ों के जरिए अर्थव्यवस्था को मापने का प्रयास आंकड़ों को अधिक प्रासंगिक बना सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और आंकड़ों की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होनी चाहिए। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर काफी निर्भर है। कच्चा तेल महंगा होने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है और उसका असर अंततः वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतों पर पड़ता है। महंगाई बढ़ने पर परिवारों के पास गैर-जरूरी खर्च के लिए कम पैसा बचता है। इससे मांग प्रभावित हो सकती है और कंपनियों के लाभ पर भी दबाव बढ़ सकता है। इसलिए पहली तिमाही की मजबूत वृद्धि को आने वाली तिमाहियों में बनाए रखना आसान नहीं होगा। सरकार को बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखने के साथ निजी निवेश को गति देनी होगी। रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती और छोटे तथा मध्यम कारोबारों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना भी जरूरी है। भारत के लिए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर को आर्थिक उपलब्धि का अंतिम प्रमाण मानना भूल होगी। असली परीक्षा यह होगी कि विकास की यह रफ्तार कितनी टिकाऊ रहती है और उसका लाभ कितने लोगों तक पहुंचता है। तेज विकास के साथ महंगाई नियंत्रण में रहे, रोजगार बढ़े, ग्रामीण मांग मजबूत हो और आम परिवार की आय में सुधार आए, तभी जीडीपी की ऊंची दर को वास्तविक आर्थिक समृद्धि माना जाएगा। बाहरी संकटों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। वैश्विक परिस्थितियां भारत के नियंत्रण में नहीं हैं, लेकिन घरेलू मांग, निवेश, रोजगार और आर्थिक सुधारों को मजबूत करना पूरी तरह देश के हाथ में है। पहली तिमाही की रफ्तार ने उम्मीद जगाई है; अब चुनौती इसे टिकाऊ, संतुलित और आम आदमी तक पहुंचने वाले विकास में बदलने की है।

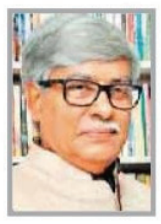

मुद्दा
ओमकार चौधरी

विरोध की राजनीति कहां जाकर रुकेगी

लोकतंत्र में सरकार का विरोध निसंदेह अधिकार है। प्रधानमंत्री की आलोचना की जा सकती है, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वैचारिक असहमति रखी जा सकती है और संसद के भीतर सरकार को कठघरे में खड़ा करना तो विपक्ष का संवैधानिक दायित्व भी है। लेकिन सरकार का विरोध करते-करते यदि राष्ट्रीय प्रतीकों, संवैधानिक संस्थाओं और स्वयं भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को लगातार निशाने पर लिया जाने लगे तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि राजनीतिक विरोध की सीमा आखिर कहां समाप्त होती है?

न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के कार्यक्रम के बाहर खालिस्तान समर्थकों द्वारा भारतीय तिरंगे के अपमान ने इसी प्रश्न को एक बार फिर गंभीरता से हमारे सामने ला खड़ा किया है। इस घटना पर देश के भीतर विपक्ष की चुप्पी ने बहुत बड़े प्रश्न खड़े कर दिए हैं। तिरंगा भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक बहुत स्पष्ट रेखा खींची कि आरएसएस, भाजपा या सरकार की आलोचना करने की स्वतंत्रता है, लेकिन भारत और उसके राष्ट्रीय ध्वज का अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। सवाल यह है कि भारत का विपक्ष इसी स्पष्टता और तीव्रता से क्यों नहीं बोला? यह सवाल इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि मोहन भागवत के न्यूयॉर्क भाषण पर विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं आने में कोई देर नहीं लगी। भागवत ने कहा कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए तो वह हिंदुत्व की भावना से दूर चला जाता है। विपक्ष ने तत्काल पूछा कि भागवत यही बात भारत में क्यों नहीं कहते। उन पर दोहरी भाषा बोलने और आरएसएस के कथित व्यवहार तथा उनके वक्तव्य में अंतर होने के आरोप लगाए गए। इसमें कोई समस्या नहीं है। उसी कार्यक्रम के बाहर खालिस्तान समर्थक भारत के तिरंगे का अपमान कर रहे थे। उस समय वही राजनीतिक बेचैनी क्यों नहीं दिखाई दी? यह किसी आरएसएस नेता के सम्मान का मामला नहीं था, बल्कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रश्न था। इस घटना को हाल में उठे वंदे मातरम् विवाद से पूरी तरह अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के सभी छह अंतरों को महत्व दिए जाने के बाद कांग्रेस की ओर से स्पष्ट किया गया कि उसके कार्यक्रमों में केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाएंगे और इसके समर्थन में 1937 के कांग्रेस कार्यसमिति के फैसले का आधार लिया गया। ऐतिहासिक तर्क अपनी जगह हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि 1937 की परिस्थितियों में लिया गया निर्णय 2026 के भारत पर हमेशा के लिए क्यों लागू रहना चाहिए? वंदे मातरम् भाजपा का गीत नहीं है और न नरेंद्र मोदी ने इसकी रचना की है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की यह रचना भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा बनी, क्रांतिकारियों की जुबान पर रही और ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विरुद्ध भारतीय प्रतिरोध का उद्घोष बनी। ऐसे राष्ट्रीय गीत के सभी छह अंतरे गाने की बात पर यदि उत्तर यह हो कि हम तो दो ही गाएंगे और कुछ ही दिनों बाद विदेश की धरती

पर तिरंगे का अपमान हो तथा उस पर वैसी राजनीतिक मुखरता दिखाई न दे, तो राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति राजनीतिक दृष्टिकोण पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। राजनीतिक मतभेद कितने भी गंभीर क्यों न हों, क्या स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय समारोह को भी सत्ता और विपक्ष की रोजमर्रा की राजनीतिक लड़ाई में खींच देना उचित है? सरकार से लड़िए, प्रधानमंत्री की नीतियों का विरोध कीजिए, संसद में उन्हें घेरिए और चुनाव में पराजित करने का प्रयास कीजिए, लेकिन लाल किले की प्राचीर और स्वतंत्रता दिवस किसी राजनीतिक दल के नहीं हैं। संसद के भीतर भी पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं जो इसी चिंता को गहरा करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष को चुनौती देना, उनके खिलाफ प्रस्ताव लाना और पीठ के निर्णयों को राजनीतिक पक्षधरता के रूप में प्रस्तुत करना एक तरफ है, तो राज्यसभा के सभापति के सामने बार-बार ऐसी अपमानजनक परिस्थितियां पैदा करना दूसरी तरफ, जिनसे सदन की गरिमा प्रभावित होती है। लोकसभा के भीतर राहुल गांधी द्वारा स्वयं अपना माइक्रोफोन बंद करने और उसके बाद यह कहने का दृश्य सामने आया कि उनका माइक चेयर ने बंद कर रखा है। देश और विदेश में यह आरोप दोहराया जाता रहा कि विपक्ष के नेता का माइक्रोफोन बंद कर दिया जाता है और उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जाता। सवाल केवल एक माइक्रोफोन का नहीं है, बल्कि उस तस्वीर का है जो दुनिया के सामने भारतीय संसद की बनाई जाती है।यह दुनिया के सामने भारतीय संसदीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न खड़ा करता है। विदेश में भारत के बारे में कही गई बातों में सिख समुदाय को लेकर दिया गया बयान भी कम गंभीर नहीं था। अमेरिका में राहुल गांधी ने यह सवाल उठाया कि भारत में लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को पगड़ी पहनने, कड़ा धारण करने और गुरुद्वारे जाने की अनुमति होगी। भारत में करोड़ों सिख अपने धार्मिक प्रतीकों के साथ स्वतंत्रतापूर्वक जीवन जीते हैं। ऐसी स्थिति में यह दुनिया के सामने भारत की कैसी तस्वीर प्रस्तुत करता है? इससे भी गंभीर पहलू यह रहा कि खालिस्तान समर्थक तत्वों ने ऐसे बयानों का अपने अलगाववादी नैरेटिव के पक्ष में इस्तेमाल किया। अब जब उन्हीं खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा न्यूयॉर्क में भारतीय तिरंगे के अपमान की तस्वीरें सामने आती हैं तो यह प्रश्न और गंभीर हो जाता है कि भारत की घरेलू राजनीतिक लड़ाई में इस्तेमाल की गई भाषा को विदेशों में भारत-विरोधी शक्तियो किस प्रकार अपने हित में इस्तेमाल करती हैं। पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक विमर्श पर नजर डालें तो आरोपों की सूची बहुत लंबी दिखाई देती है। यदि संसद अविश्वसनीय है, चुनाव आयोग अविश्वसनीय है, मीडिया अविश्वसनीय है, न्यायपालिका संदेह के घेरे में है और संवैधानिक संस्थाएँ कथित रूप से कब्जे में हैं, तो देश के नागरिक और दुनिया को आखिर यह संदेश क्या दिया जा रहा है? क्या यह कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था ही भरोसे के योग्य नहीं है? इस चिंता में अब जेन-जी की राजनीति भी जुड़ गई है। युवाओं की बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं, पेपर लीक, शिक्षा और अवसरों से जुड़ी समस्याएं वास्तविक हैं और उन पर आंदोलन करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन आंदोलन और अराजकता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। अराजक परिस्थितियां पैदा करने की राजनीति को केवल युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी बताकर नहीं छोड़ा जा सकता। युवाओं के असंतोष को सत्ता परिवर्तन की सड़क-राजनीति की दिशा देना गंभीर चिंता का विषय है। भारत में सरकारें मतपत्र से बनती और बदलती हैं, अराजक भीड़ की ताकत से नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लोकतंत्र में सरकार का विरोध निसंदेह अधिकार है। प्रधानमंत्री की आलोचना की जा सकती है, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वैचारिक असहमति रखी जा सकती है और संसद के भीतर सरकार को कठघरे में खड़ा करना तो विपक्ष का संवैधानिक दायित्व भी है, लेकिन यदि राष्ट्रीय प्रतीकों, संवैधानिक संस्थाओं और स्वयं भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को लगातार निशाने पर लिया जाने लगे तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि राजनीतिक विरोध की सीमा आखिर कहां समाप्त होती है? युवाओं के असंतोष को सत्ता परिवर्तन की सड़क-राजनीति की दिशा देना गंभीर चिंता का विषय है। भारत में सरकारें मतपत्र से बनती और बदलती हैं, अराजक भीड़ की ताकत से नहीं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
बाल मुकुन्द ओझा

50 करोड़ लोगों की पहुंच से बाहर है पौष्टिक आहार

देश में हर वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष पोषण सप्ताह की थीम जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखी गई है। इस थीम का मुख्य मकसद लोगों को पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले संतुलित और विविध आहार को बढ़ावा देने पर केंद्रित कराना है। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2025 तक करीब 49.5 करोड़ लोग पौष्टिक भोजन खरीदने में सक्षम नहीं हैं। हालांकि 2017 की तुलना में 32 करोड़ लोगों की स्थिति में सुधार हुआ है, फिर भी भारत दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल है। रिपोर्ट में महंगाई, कमजोर सप्लाई सिस्टम और जलवायु परिवर्तन को प्रमुख कारण बताते हुए सरकारों को पौष्टिक भोजन सस्ता और सुलभ बनाने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत आम लोगों को पौष्टिक आहार के बारे में जागरूक किया जाता है, ताकि शरीर में पोषण की पूर्ति को बढ़ावा दिया जा सके और बीमारियों का खतरा कम किया जा सके। आज दुनियाभर में खानपान को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो रहा है। क्या खायें और क्या न खायें, इस पर बहस चल रही है। स्वास्थ्य एवं पोषण का होना किसी भी मानव के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। स्वस्थ्य रखने के लिए शरीर को पोषक आहार की आवश्यकता पड़ती है। पोषण आहार स्वस्थ के लिए बेहद ही जरूरी होता है। पोषण युक्त चीजें खाने से शरीर को जरूरी तत्व मिल जाते हैं और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। इसलिए अपनी डाइट में केवल पोषण आहार को ही शामिल करें और वही चीजें खाएं जो कि पोषण से युक्त हो। हर व्यक्ति के लिए पूर्ण पौष्टिक आहार जरूरी होता है, क्योंकि जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने से शरीर ना सिर्फ कमजोर हो सकता है बल्कि बीमारियों का घर बन सकता है। पौष्टिक आहार को लेकर दुनिया में व्यापक हलचल मची है। आहार मनुष्य की सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधारभूत आवश्यकता है, जिसके बिना कोई भी प्राणी जीवन की कल्पना नहीं कर सकता है। दुनिया में प्रचुर खाद्यान्न उत्पादन होने के बावजूद लोगों के लिए स्वास्थ्यपरक आहार आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हमारे शरीर को पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए पोषक पदार्थों की जरूरत होती है। ये पोषक पदार्थ अलग-अलग तरह के भोजन से हमें मिलते हैं, यानि ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां, सूखे मेवे, डेयरी उत्पाद और मीट वगैरह आदि। शारीरिक श्रम करना, सोना और आराम करने की तरह ही संतुलित और पौष्टिक आहार लेना भी जरूरी है। भोजन का मतलब यह नहीं होता कि आप कुछ भी खा रहे हैं। ऐसा भोजन करें जो स्वच्छ और पोषण तत्वों से भरपूर हो। इससे न सिर्फ हम बीमारियों से दूर रहते हैं, बल्कि शारीरिक विकास भी अच्छी तरह होता है। संतुलित आहार के अनेक फायदे नहीं है, जैसे आप के शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और अच्छी नींद को बढ़ावा भी देता है। संतुलित आहार शरीर में वसा कम करता है, साथ ही शरीर को अच्छे से काम करने के लिए प्रेरित करता है। शरीर के लिए आवश्यक संतुलित आहार लंबे समय तक नहीं मिलना ही कुपोषण है। हमारे देश में गरीबी एवं अज्ञानता के कारण भोजन में पौषक तत्वों की कमी रहती है। इन्ही कारणों से बच्चों में कुपोषण एवं वयस्कों में कई विकार उत्पन्न होते हैं। आहार में कार्बोज, प्रोटीन, वसा, खनिज लवण एवं विटामिन विद्यमान हो, तभी व्यक्ति की शारीरिक वृद्धि एवं विकास होगा। इस प्रकार के आहार में जल एवं फाइबर की भी पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए। नाश्ते में अंकुरित अनाज यानी मूंग, चना और सोयाबीन को अंकुरित खाएं। ऐसा करने से उनमें मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है। मौसमी हरी सब्जियों को डाइट में शामिल करें। अधिक फैट वाला दूध, बटर तथा पनीर लेने से बचें। जंकफूड से बचना होगा और पोषक आहार अपनाना होगा, तभी मोटापे जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे वंचित रहने में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कैसे मिल सकती है दुखों से मुक्ति

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में संपूर्ण विश्व दर्शन के नए क्षितिज स्पर्श कर रहा था। चीन में कन्फ्यूशियस और लाओत्से, ईरान में जरथुस्त्र, यूनान में पाइथागोरस नए तर्क गढ़ रहे थे तो भारत में महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध वैदिक दर्शन को नया आयाम देने में लगे थे। गौतम बुद्ध ने बताया कि जन्म से लेकर मृत्यु तक संपूर्ण जीवन दुखमय है। मृत्यु भी

संकलित
दर्शन

दुख का अंत नहीं है, बल्कि नए दुख का आरंभ है, क्योंकि मृत्यु के बाद भी पुनर्जन्म होता है। उनका मानना था कि प्राणी की इच्छा अपूर्ण रहती है तो पुनर्जन्म लेना पड़ता है। बुद्ध अनात्मवादी और अनीश्वरवादी तो थे, किंतु भौतिकवादी नहीं थे। उनका मत है कि सृष्टि में जो कुछ है वह क्षणिक है, परिवर्तनशील है। द्वितीय आर्य सत्य है कि प्रत्येक कार्य का कारण अवश्य होता है, जिसे बुद्ध ने प्रतीत्यसमुत्पाद कहा। इस दुख के कारणता सिद्धांत को द्वादश निदान चक्र भी कहा जाता है। इस दुख का मूलभूत कारण अविद्या है। अविद्या से संस्कार या पूर्व में किए गए कर्मों की प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। संस्कार से विज्ञान, विज्ञान से नामरूप, नामरूप से षडायतन, षडायतन से स्पर्श, स्पर्श से वेदना, वेदना से तृष्णा, तृष्णा से उपादान, उपादान से भव, भव से जाति, जाति या जन्म से जरा-मरण का दुख भोगना पड़ता है। बौद्ध दर्शन का तृतीय आर्यसत्य दुख-निरोध है। दुखों के मूल कारण अविद्या को दूर करके इसी जीवन में दुखों का अंत किया जा सकता है। दुखों का निरोध ही निर्वाण है।

शनिदेव को पिप्पलाद मुनि ने दिया शाप

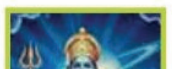

पुराने समय में वृत्तासुर नाम के एक असुर का आतंक बढ़ गया था। इस असुर को सभी देवता पराजित नहीं कर पा रहे थे। उस समय दधिचि ऋषि ने देवताओं से कहा कि मेरे शरीर की हड्डियों से आप वज्र नाम का शस्त्र बनाइए और उस वज्र से वृत्तासुर का अंत हो जाएगा। देवताओं की भलाई के लिए दधिचि ऋषि ने अपनी देह त्याग दी और बाद में

संकलित
प्रेरणा

देवताओं ने ऋषि की हड्डियों से वज्र बनाया। देवराज इंद्र ने इस वज्र से असुरों को पराजित कर दिया। दधिचि मुनि के पुत्र का नाम पिप्पलाद था। दधिचि के पुत्र का जन्म पीपल के नीचे हुआ था, इस कारण इस बच्चे का नाम पिप्पलाद रखा गया। बच्चे के जन्म से पहले ही दधिचि की मृत्यु हो गई थी। जब पिप्पलाद बड़े हुए तो उन्होंने देवताओं से पूछा कि मेरे पिता की इतनी जल्दी मृत्यु कैसे हो गई। उस समय उन्हें मालूम हुआ कि शनि की अशुभ दृष्टि की वजह से दधिचि मुनि की मृत्यु का योग बना है। वे बड़े तपस्वी थे। जब उन्हें मालूम हुआ कि शनि के कारण उनके पिता की जल्दी मृत्यु हुई तो उन्होंने शनि को ग्रह मंडल से हटने का शाप दे दिया। शाप के असर से शनि ग्रह मंडल से हटने लगे तो सभी देवताओं ने पिप्पलाद मुनि से अपना शाप वापस लेने की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना से पिप्पलाद मुनि ने शनि को क्षमा कर दिया, लेकिन उन्होंने शनि से कहा कि अब से किसी बच्चे को 16 वर्ष की उम्र तक शनि दोष का सामना न करना पड़े, शनि बच्चों पर अशुभ दृष्टि नहीं डालेंगे।

इस्लामी नैतिकता : राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून का शासन

सैय्यद जाहिद अली रियासत

भारत-पाकिस्तान सीमा जो हमेशा ही विवादों और चर्चा का विषय रही है ,के करीब कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा धार्मिक संरचनाओं के ध्वस्तीकरण के संबंध में रिपोर्ट आई है , हालिया रिपोर्टों ने सार्वजनिक चर्चा को जन्म दिया है। ऐसे घटनाक्रम स्वाभाविक रूप से तीव्र और कटु भावनाएँ उत्पन्न करते हैं, क्योंकि पूजा स्थल श्रद्धालुओं के लिए गहरी आध्यात्मिक महत्ता रखते हैं। साथ ही, सरकारों की जिम्मेदारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना और कानून को लागू करना भी है। जब ये दोनों चिंताएँ एक-दूसरे के विरोध में दिखाई दें, तब इस मुद्दे पर शांतिपूर्वक, सम्मानपूर्वक तथा कानूनी सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों–दोनों के अनुरूप विचार करना जरूरी और महत्वपूर्ण हो जाता है।

प्रत्येक देश की जिम्मेदारी है कि वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा करे, अपने नागरिकों की रक्षा करे और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखे। राष्ट्रीय सुरक्षा किसी भी सरकार की प्रमुख जिम्मेदारियों में से एक है। सुरक्षा के बिना लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक अवसर और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे अन्य अधिकारों का आनंद लेना कठिन हो जाता है। इसी कारण संविधान और कानूनी व्यवस्थाएँ अक्सर सार्वजनिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था के लिए आवश्यक होने पर व्यक्तिगत अधिकारों पर उचित प्रतिबंधों की अनुमति देती हैं, बशर्ते ऐसे कदम कानून के अनुसार उठाए जाने चाहिए जिससे लोगों को आलोचना करने का अथवा विवाद पैदा करने का अवसर ना मिले ,

अब आती है बात इस्लाम की

इस्लाम भी व्यवस्था, न्याय और वैध सत्ता के महत्व को स्वीकार करता है। कुरआन में कहा गया है, ऐ ईमान वालो ! अल्लाह की आज्ञा मानो, रसूल की आज्ञा मानो और अपने में से जो अधिकार-संपन्न हैं, उनकी भी आज्ञा मानो। (सूरह अन-निसा 4:59)। शास्त्रीय इस्लामी विद्वानों ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक प्रशासन से जुड़े मामलों में वैध सत्ता का पालन सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने में सहायक होता है। इस्लाम न्याय और उचित कानूनी प्रक्रिया पर भी विशेष जोर देता है। कुरआन कहता है, ऐ ईमान वालो ! न्याय के लिए दृढ़ता से खड़े रहो और अल्लाह के लिए गवाही देने वाले बनो, चाहे वह गवाही तुम्हारे अपने विरुद्ध हो या माता-पिता और रिश्तेदारों के विरुद्ध। (सूरह अन-निसा 4:135)। यह आयत मुसलमानों को याद दिलाती है कि निर्णय भावनाओं या व्यक्तिगत पसंद के बजाय प्रमाण और न्याय पर आधारित होने चाहिए।

भूमि के स्वामित्व, सार्वजनिक संपत्ति या निर्माण से संबंधित प्रश्न ऐसे मामले हैं जिनकी जाँच अदालतें कानूनी प्रमाणों के आधार पर करती हैं। विवादों के समाधान में इस्लामी कानून भी सबूतों को अत्यधिक महत्व देता है। पैगंबर मुहम्मद ने फरमाया है कि : दावा करने वाले पर प्रमाण प्रस्तुत करने का दायित्व है। (हदीस 33, 40 हदीस अन-नववी)। इस सिद्धांत ने सदियों से इस्लामी न्यायिक परंपरा का मार्गदर्शन किया है। संपत्ति या स्वामित्व से संबंधित दावों को अनुमान या भावनाओं के बजाय विश्वसनीय प्रमाणों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए।

इस्लाम यह भी सिखाता है कि पूजा स्थलों की स्थापना कानूनी दायरे और नैतिक साधनों के माध्यम से होनी चाहिए। कुरआन विश्वासियों को दूसरों की संपत्ति को अन्यायपूर्वक लेने या हड़पने से चेतावनी देता है: तुम एक-दूसरे का माल नाजायज तरीके से न खाओ। (सूरह अल-बकरह 2:188)। इसी कारण शास्त्रीय इस्लामी विधिवेत्ताओं का सामान्य मत रहा है कि मस्जिद ऐसी भूमि पर बनाई जानी चाहिए जिसे कानूनी रूप से प्राप्त किया गया हो और जिसके स्वामित्व को लेकर कोई विवाद न हो। अल्लाह की इबादत के लिए समर्पित स्थान की नींव भी न्याय और स्पष्ट कानूनी अधिकारों पर होनी चाहिए, न कि विवादित दावों या अवैध कब्जे पर। इस्लामी इतिहास में विद्वानों ने इस बात पर जोर दिया है कि मस्जिद की पवित्रता उस तरीके से भी जुड़ी होती है जिसके द्वारा उसकी स्थापना की गई हो। किसी अन्य व्यक्ति की भूमि पर उसकी अनुमति के बिना, या विवादित संपत्ति पर मस्जिद का निर्माण करना, सामान्यतः उन न्याय के सिद्धांतों के विपरीत माना गया है जिन्हें इस्लाम कायम रखता है। पैगंबर मुहम्मद ने दूसरों के अधिकारों के सम्मान की भी शिक्षा दी। उन्होंने कहा: जिसने किसी दूसरे की भूमि का एक टुकड़ा भी अन्यायपूर्वक ले लिया, कयामत के दिन उसे सातों धरतियों तक धँसा दिया जाएगा। (सहीह अल-बुखारी 2454)। यह हदीस दशार्ती है कि इस्लाम संपत्ति के अधिकारों को कितनी गंभीरता से देखता है।

जब भी अदालतें भूमि के स्वामित्व से संबंधित मामलों का फैसला करती हैं, तो वे दस्तावेजों, अभिलेखों, गवाहों की गवाही और लागू कानून की जाँच करती हैं। लोकतांत्रिक समाज में कानून के शासन को बनाए रखने के लिए न्यायिक संस्थाओं का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। इस्लाम व्यक्तियों को कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने से दृढ़ता से हतोत्साहित करता है। मुस्लिम नेतृत्व को पूरे देश में जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता है, ताकि धार्मिक स्थलों को भूमि खरीदकर और उन्हें आधिकारिक अभिलेखों में पंजीकृत करके कानूनी रूप से दर्ज कराया जा सके। यह दृष्टिकोण व्यक्तिगत अधिकारों और समाज के व्यापक हित–दोनों की रक्षा करता है।

आम तौर पर देखा गया है राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक भूमि और धार्मिक संरचनाओं से जुड़े मुद्दे अक्सर संवेदनशील और जटिल होते हैं। इनके लिए तथ्यों, कानूनी प्रमाणों और संवैधानिक सिद्धांतों की सावधानीपूर्वक जाँच आवश्यक है। इसलिए सार्वजनिक चर्चा सम्मानजनक बनी रहनी चाहिए और अफवाहों या अपुष्ट दावों को फैलाने से बचना चाहिए। सोशल मीडिया के युग में यह सिद्धांत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ अधूरी या भ्रामक जानकारी बहुत तेजी से फैल सकती है इससे भी बचना होगा

इस्लाम न्याय, वैध सत्ता, प्रमाण-आधारित निर्णय, संपत्ति के अधिकारों का सम्मान और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। यह सिखाता है कि धार्मिक आस्था और भक्ति के साथ ईमानदारी और निष्पक्षता भी सदैव जुड़ी होनी चाहिए। किसी भी कानूनी विवाद का परिणाम चाहे जो हो, मुसलमानों को कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान करने, अपनी राय बनाने से पहले जानकारी की पुष्टि करने तथा इबादत की पवित्रता और उन न्याय के सिद्धांतों–दोनों को कायम रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जो इस्लामी नैतिकता की नींव हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

ट्रेंड

व्यापार का दायरा

बिश्केक में राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात हुई। हमने ईरान के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया। हम आने वाले समय में अपने व्यापार के दायरे को बढ़ाना और उसमें विविधता लाना चाहते हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीडीपी ग्रोथ दर्ज

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8% की जीडीपी ग्रोथ दर्ज की, जो वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में एक शानदार प्रदर्शन है। भारत के लिए, यह मजबूती, सुधार और लगातार बनी हुई गति का एक सशक्त संकेत है।
-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

चुनाव आयोग

एसआईआर के तहत दिल्ली के लिए वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है। 1.5 करोड़ में से 47 लाख वोटरों के नाम इसमें नहीं है। भारत सरकार आबादी को लेकर बेवजह परेशान है। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग हमारे देश की आबादी को 140 करोड़ से घटाकर 50 करोड़ कर देगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

तानाशाही की पराकाष्ठा

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के साथ होने वाले छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना बीजेपी के अहंकार और तानाशाही की पराकाष्ठा है। बीजेपी दलितों के खिलाफ छुआछूत को जारी रखना चाहती है।
- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

नेपाल बाढ़ त्रासदी

नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला, 1058 लोगों ने गंवाई जान, 4606 अभी भी लापता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेपाल में आई बाढ़ ने इतनी तबाही मचाई है कि इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि अब तक इस आपदा में जहां 1,000 से ज्यादा लोगों की जान गई है, वहीं अभी भी हजारों लोग लापता हैं, जिन्हें ढूंढने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। नेपाल पुलिस ने बताया है कि रसुवा में भोटे कोशी नदी में आई भयानक बाढ़ के बाद 1,058 शव मिले हैं। वहीं 4,606 लोग लापता हैं। वहीं, 12 हजार से लोग ज्यादा बचाए गए। खोज, बचाव, शव प्रबंधन और राहत कार्य जारी हैं। इस काम के लिए कुल 7,912 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें से 65 कर्मी प्रभावित हुए हैं और 25 से संपर्क नहीं हो पा रहा है। आपातकालीन टीमें हेलिकॉप्टर और अन्य विमानों का इस्तेमाल करके उन इलाकों में फंसे लोगों तक पहुंच रही हैं, जहां बाढ़ और भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क टूट गया है।

12 हजार से लोग ज्यादा बचाए गए

7,912 पुलिस कर्मियों को तैनात किया

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर से राहत अभियान जारी

आपदा प्रभावित रसुवा क्षेत्र में बच्चे खेलते हुए

बाढ़ में बह गईं बैंक की तिजोरियां

बाढ़ में बह गए कम से कम 20 बैंकों के लापता तिजोरियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित करने के लिए पुलिस जद्दोजहद कर रही है, ताकि वे गलत हाथों में न पड़ें। इनमें से कुछमें भारी मात्रा में कैश और अन्य कीमती सामान हैं। डीआईजी अबी नारायण काफ्ले ने कहा कि बाढ़ के बाद की मुश्किल स्थिति में प्रभावित इलाकों में कानून-व्यवस्था भी बनाए रखना जरूरी है। रसुवा, धाडिंग, चितवन और दूसरी जगहों पर कई बैंक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए थे। उनमें से कईयों में नगद और सोना जैसी कीमती चीजें थीं।

भारतीय दूतावास ने शवों की शिनाख्त के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

नेपाल में स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय परिवारों को उनके प्रियजनों के शवों की पहचान करने में सहायता के लिए चरण-दर-चरण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दूतावास ने बताया कि नेपाल सरकार मृतकों की तस्वीरें और विवरण जारी कर रही है, जिन्हें वेबलिंक के माध्यम से देखा जा सकता है। यदि कोई परिवार तस्वीरों के माध्यम से शव की पहचान करने में सक्षम होता है, तो दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करके पार्थिव शरीर सौंपने और स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में पूरी मदद करेगा।

डीएनए और फोरेंसिक सैंपल मिलान जरूरी

नेपाली अधिकारी शवों की शिनाख्त कर अस्पताल ले जा रहे

दूतावास ने कहा कि नेपाल सरकार ने शवों को अस्थायी रूप से दफनाया है। ऐसे शवों की पहचान के लिए प्रथम-श्रेणी के रिश्तेदारों के साथ डीएनए मिलान की आवश्यकता होगी। नेपाली अधिकारी डीएनए प्रोफाइल बनाने के लिए शवों से डीएनए के नमूने ले रहे हैं। मिलान के लिए, मृतकों के करीबी रिश्तेदार अपना डीएनए प्रोफाइल ईमेल **dna-codis@nepalpolice.gov.np** पर भेज सकते हैं या नेपाली अधिकारियों द्वारा मांगी गई प्रारंभिक जानकारी के साथ अपने खून के नमूने दे सकते हैं।

भारतीय दूतावास के हेल्पलाइन नंबर पर करें संपर्क

डीएनए प्रोफाइलिंग से संबंधित अन्य जानकारी नेपाल पुलिस की वेबसाइट **https://www.nepalpolice.gov.np/** और उनके हेल्पलाइन नंबर +977 9841616095 पर उपलब्ध है। किसी भी अतिरिक्त सहायता या पूछताछ के लिए, भारतीय दूतावास से व्हाट्सएप नंबरों +977 9851316807, +977 9709107500, या +977 9810326117 पर संपर्क किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

नॉर्वे सम्राट के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित नॉर्वे दूतावास जाकर सम्राट हेराल्ड

पंचम के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक पुस्तिका में भारत सरकार और देश की जनता की ओर से अपनी संवेदनाएं दर्ज कीं। उन्होंने दिवंगत सम्राट की नॉर्वे के प्रति समर्पित सेवाओं और भारत-नॉर्वे संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान को भी स्मरण किया। इस दौरान भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर और दूतावास के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

26वें शंघाई शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने विश्व को चेताया

आतंकवाद पूरी 'मानवता' के लिए गंभीर खतरा, कट्टरपंथी सोच पर लगाएं लगाम

एससीओ में संबोधित करते पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ बिश्केक

पीएम नरेंद्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 26वें एससीओ समिट में विश्व को आतंकवाद के प्रति सचेत करते हुए आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देने वाले तत्वों पर रोक लगानी होगी। इस सम्मेलन में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी शामिल हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले पच्चीस वर्षों में एससीओ ने यूरेशिया के विशाल भूभाग में संवाद और सहयोग की एक मजबूत परंपरा विकसित की है। हमने मिलकर अपने लोगों की भलाई के साथ-साथ मानवता के विकास में भी बहुमूल्य योगदान दिया है। इन पच्चीस वर्षों में हमने सहयोग की मजबूत नींव तैयार की है। अब आने वाले पच्चीस वर्षों में हमारा लक्ष्य इस सहयोग को स्पष्ट

परिणामों में बदलने का होना चाहिए।

विश्व अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा | तीन बातों सुरक्षा, संपर्क और अवसर का किया उल्लेख

लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना जरूरी

एससीओ सम्मेलन में सदस्य देशों के प्रमुख का समूह चित्र

पीएम मोदी ने कहा कि आज जब विश्व अनिश्चितता और अस्थिरता से गुजर रहा है, हमें अपने साझा भूगोल को साझा अवसरों में बदलना है और हमारे प्रयासों से हमारे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना हैं। पिछली बैठक में मैंने एससीओ को लेकर भारत की सोच के तीन मुख्य स्तंभों का उल्लेख किया था: एस से सिक्योरिटी (सुरक्षा), सी से कनेक्टिविटी और ओ से ऑपर्चुनिटी (अवसर)। अब समय है कि इन तीनों स्तंभों को विजन से आगे बढ़ाकर ठोस आउटकम (उपलब्धि) तक ले जाया जाए। और इसकी पहली आवश्यकता है- शांति और सुरक्षा।

आतंकवाद पर द्विपक्षीय मापदंड नहीं चलेंगे

पीएम मोदी ने आतंकवाद को लेकर भारत की मंशा स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद आज भी पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसके विरुद्ध लड़ाई में हम एक्शन-रिएक्शन की सोच तक सीमित नहीं रह सकते। हमें आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगाहों के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर द्विपक्षीय मापदंड

के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

युद्ध का समाधान बातचीत से ही संभव

पीएम ने एक दूसरे से जुड़े रहने को दुनिया के लिए जरूरी करार दिया। उन्होंने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में सुरक्षा की परिधि और भी व्यापक हो चुकी है। पश्चिम एशिया के संकट ने यह दिखाया है कि किसी एक क्षेत्र का संघर्ष वहीं तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव पूरे विश्व की एनर्जी सिक्योरिटी, मैरीटाइम ट्रेड और सप्लाई चेन्स पर पड़ता है। इसका सबसे अधिक खामियाजा ग्लोबल साउथ के देशों को भुगतना पड़ता है। इसलिए भारत का आह्वान रहा है कि सभी तनावों और युद्धों का समाधान बैटलफील्ड

पर नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी से ही संभव है।

नशा युवा पीढ़ी और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

पीएम मोदी ने नशीले पदार्थों की तस्करी को भी रोकने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रग ट्रैफिकिंग केवल एक अपराध नहीं है बल्कि हमारी युवा पीढ़ी और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एससीओ के अंतर्गत सिक्योरिटी थ्रेट्स, ऑर्गेनाइज्ड क्राइम, इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी और नार्कोटिक्स जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए स्थापित किए जा रहे सेन्टर्स एक सकारात्मक कदम है। हमें व्यावहारिक समन्वय और समय पर कार्रवाई कर इन्हें प्रभावी माध्यम बनाना चाहिए।

एस. जयशंकर की रूसी और ईरानी समकक्षों से हुई चर्चा

एससीओ शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रूसी और ईरानी

समकक्षों संग हुई छोटी सी मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि एससीओ समिट 2026 से इतर ईरान और रूस के विदेश मंत्रियों से छोटी सी मुलाकात हुई। जयशंकर रूसी विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरानी विदेश मंत्री

अब्बास अराघची के साथ दिखाई दे रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने की डिफेंस पीएसयू की समीक्षा

सुरक्षा के लिए पांच साल का रोडमैप तैयार करने का निर्देश

समीक्षा बैठक करते राजनाथ सिंह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा की है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने अगले पांच वर्षों के लिए एक स्पष्ट और व्यावहारिक रोडमैप तैयार करने का आह्वान किया। यह रोडमैप बदलते समय और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने वाला होना चाहिए। समीक्षा का जोर देश में रक्षा उत्पादन को और मजबूत करना, स्वदेशी तकनीकों का विकास, नवाचार को बढ़ावा देना और रक्षा निर्यात था।

डीपीएसयू की रक्षा क्षेत्र में अहम भूमिका

राजनाथ सिंह ने कहा कि डीपीएसयू देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने डीपीएसयू को अपनी उत्पादन क्षमता, तकनीकी क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास को लगातार बेहतर बनाने पर जोर दिया, ताकि भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की जरूरतों को देश में ही पूरा किया जा सके। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और नवाचार को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई।

रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर

राजनाथ सिंह ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रक्षा उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धी और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद विकसित करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिफेंस पीएसयू में बदलाव को केवल आर्थिक या औद्योगिक सुधार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिफेंस पीएसयू का रूपांतरण केवल आर्थिक या औद्योगिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है। समीक्षा बैठक का व्यापक उद्देश्य डिफेंस पीएसयू को भविष्य की रक्षा जरूरतों के लिए अधिक सक्षम, तकनीकी रूप से उन्नत और

प्रतिस्पर्धी बनाना रहा। डिफेंस पीएसयू के प्रदर्शन में सुधार, स्वदेशी तकनीक पर जोर और राष्ट्रीय सुरक्षा क्षमता को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा

रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका प्रदीप कुमार गर्ग आ०/पति विजय कुमार गर्ग जाति, निवासी जोड़ापीपल अम्बिकापुर. तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 278/4, 279/1 रकबा 0.01, 0.02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/09/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 24/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

भैंस चराने गए युवक की तालाब में डूबने से मौत

बांगरमऊ, उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के तकिया निगोही गांव में सोमवार शाम भैंस चराने गया 40 वर्षीय युवक तालाब में डूब गया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस, फायर ब्रिगेड और फ्लड कंपनी की टीम ने तालाब में युवक की तलाश शुरू की।

युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात अज्ञात कारणों के चलते युवक ने घर के अंदर कमरे में रखे टीनशेड की बल्ली में मफलर का फंदा बना कर फासी लगा ली मंगलवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही करते हुए पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

भारतीय सेना का बड़ा कदम

पहले चरण में 41 आर्मी स्टेशनों को 'पीएनजी' से जोड़ा जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना अब अपने सैन्य प्रतिष्ठानों में पारंपरिक ईंधन की जगह पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ावा देने की तैयारी में जुट गई है। पहले चरण में 41 आर्मी स्टेशनों को पीएनजी से जोड़ने का लक्ष्य है।

इसी कड़ी में दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में 'पीएनजी ट्रांजिशन वेबिनार-2026' आयोजित किया गया। सेना का लक्ष्य है कि जहां भी पीएनजी की सुविधा व्यवहारिक रूप से उपलब्ध है, वहां सैन्य प्रतिष्ठानों को चरणबद्ध तरीके से इससे जोड़ा जाए। सेना ने वित्त वर्ष 2026-27 में 41 आर्मी

वेबिनार में चर्चा करते हुए अधिकारी

स्टेशनों को पीएनजी से जोड़ने का लक्ष्य तय किया है। इसके बाद इस व्यवस्था का विस्तार उन दूसरे सैन्य प्रतिष्ठानों तक किया जाएगा, जहां पीएनजी उपलब्ध कराना संभव होगा। यह पहल केंद्र सरकार के गैस आधारित अर्थव्यवस्था के विजन के अनुरूप है। सेना के लिए यह बदलाव ऊर्जा के अधिक कुशल इस्तेमाल के साथ-साथ एक अधिक टिकाऊ ईंधन व्यवस्था की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

जन्माष्टमी पर 'दही हांडी' फोड़ने के लिए रिहर्सल

मुंबई। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस साल भगवान श्रीकृष्ण का 5253 वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस बार 4 सितंबर के दिन आधी रात को 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मुंबई में 'दही हांडी' के आने वाले जश्न से पहले रिहर्सल के दौरान, महिलाओं की एक गोविंदा मंडली की सदस्य मिट्टी की हांडी फोड़ने के लिए एक छोटी बच्ची को अपने कंधों पर उठाए हुए संतुलन बनाती हुई। 'निर्भया महिला गोविंदा पथक' की सदस्य इस बड़े त्योहार की तैयारी के लिए इंसानी पिरामिड बनाने का अभ्यास कर रही थीं।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०–/अ–6/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रीत पाल सिंह आ० सरदार बलबीर सिंह, जाति- सिक्ख निवासी गुदरी चौक अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदकगण श्रीमती गुंजन सिंह पत्नी स्व० माधवेन्द्र सिंह, ना०बा० अनन्त एश्वर्य सिंह आ.स्व. माधवेन्द्र सिंह पालक व वली द्वारा माता श्रीमती गुंजन सिंह पत्नी स्व. माधवेन्द्र सिंह, दोनों जाति क्षत्रिय, निवासी जेल रोड़ बाबूपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3533/29 रकबा 0.01 एकड़ भूमि जिसके भूतल रकबा 40.48 व०मी० पर दुकान एवं प्रथम तल पर कॉलम युक्त पक्का मकान निर्मित है को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 03.02.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 11/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/09/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०–/अ–6/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुरुद्वारा श्री गुरूसिंह सभा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा द्वारा अध्यक्ष (प्रधान) गुरुचरण सिंह छाबड़ा आ० मोहन सिंह जाति- सिक्ख निवासी गुरुद्वारा वार्ड नं. 36 मायापुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किय किया गया है, कि आवेदक संस्था के द्वारा अनावेदक श्रीमती अन्नपूर्णा पत्नी दुर्गेश सिन्हा, निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, शीट नं. 09 मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3480/6 रकबा 0.02 1/4 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 25.03.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक संस्था द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 11/09/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/09/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायलय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क. ब/121 वर्ष

ग्राम- प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक देशोलाल पिता चरकू जाति कंवर निवासी ग्राम कुसमुसी प.ह.न. 11 रा.नि.मं शिवप्रसादनगर भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है की आवेदक के पुत्र / पुत्री तिलेस उर्फ हीरोदिया का मृत्यु दिनांक 08/06/2009 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है आवेदक अपने पुत्र / पुत्री तिलेश उर्फ हीरोदिया का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है जिसके सम्बन्ध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है अतः उक्त सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 07/09/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगो आज दिनांक 21/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायलय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर–2, जिला–सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क० / अ–6/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रकला आ. मोहरलाल व अन्य, निवासी ग्राम यादवपारा श्रीगढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम श्रीगढ़ स्थित भूमि भूमि खसरा नंबर 69/2, 69/1, 179/5 रकबा क्रमशः 0.097, 0.040, 0.073 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा दिनांक 14.11.2022 के आधार पर, वसीयतकर्ता परबतिया पत्नी रामसेवक का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/09/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा आज दिनांक 28/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायलय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क. ब/121 वर्ष

ग्राम- प.ह.न. 11

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक देशोलाल पिता चरकू जाति कंवर निवासी ग्राम कुसमुसी प. ह. न. 11 रा. नि. मं.शिवप्रसादनगर भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है की आवेदक के पुत्र / पुत्री ढोली का मृत्यु दिनांक 15/08/2010 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया हैं आवेदक अपने पुत्र / पुत्री ढोली का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है जिसके सम्बन्ध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है

अतः उक्त सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 07/09/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 21/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गयो

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

क्रमांक।–154/खाद्य–दुकान आबं./2026

सूरजपुर दिनांक / / 2026

ईश्तहार

इस सार्वजनिक ईश्तहार के माध्यम से आमजनों / सहकारी समितियों / वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस) / प्राथमिक कृषि साख समिति / वन सुरक्षा समिति / महिला स्वयं सहायता समूह / ग्राम पंचायत / अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य दूकान ग्राम पंचायत नेवरा आई.डी. 392009030 का नवीन आबंटन किया जाना है। अतः शा.उ. मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 16/09/2026 तक कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे में इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रमाणित दस्तावेजो के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक 27/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सूरजपुर
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा

रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका कमला देवी आ०/पति विजय कुमार अग्रवाल जाति निवासी जोड़ापीपल अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-केदारपुर, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 278/2, 279/2 रकबा 0.01, 0.02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/09/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 24/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर–2, जिला–सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क० / अ–6/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हीरालाल यादव आ. रामसेवक यादव, निवासी ग्राम यादवपारा श्रीगढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम श्रीगढ़ स्थित भूमि भूमि खसरा नंबर 70/1, 71, 155 रकबा कमशः 0.061, 0 032. 0.125 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा दिनांक 14.11.2022 के आधार पर, वसीयतकर्ता परबतिया पत्नी रामसेवक का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/09/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा

आज दिनांक 28/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी थीम पर होगा 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026

9 सितंबर से पूरे छत्तीसगढ़ में शुरू होगा राज्यव्यापी अभियान, आंगनवाड़ी केंद्र बनेंगे पोषण, देखभाल और बाल विकास के सशक्त केंद्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के पोषण स्तर को बेहतर बनाने तथा समुदाय को पोषण संबंधी प्रयासों से जोड़ने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 9 सितंबर से राज्यभर में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम ह्यहमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारीह्न रखी गई है। अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित करते हुए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। राष्ट्रीय पोषण माह के माध्यम से यह संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा कि बच्चों का सुपोषण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समुदाय और समाज की साझा जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्थानीय खाद्य पदार्थों से पौष्टिक आहार का होगा प्रदर्शन

पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध और कम लागत वाली खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण मेलों के माध्यम से मिलेट्स, मौसमी फल-सब्जियों, दालों, दुग्ध उत्पादों, मेवों और विभिन्न प्रकार के बीजों जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों की उपयोगिता बताई जाएगी। इसके साथ ही प्रोटीन रिच फूड अभियान के जरिए परिवारों को दैनिक भोजन में प्राकृतिक और किफायती प्रोटीन स्त्रोतों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। स्थानीय खाद्य विविधता को बढ़ावा देकर संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार की आदत विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा।

गर्म पके भोजन की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी

आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को उपलब्ध कराए जाने वाले गर्म पके भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और विविधता की विशेष निगरानी की जाएगी। केंद्रों में नाश्ते और गर्म भोजन का साप्ताहिक मेन्यू बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पोषण आहार की जानकारी सभी के लिए सार्वजनिक रहे। भोजन की तैयारी और वितरण में पारदर्शिता एवं सामुदायिक निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों,

पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों और मातृ समितियों को भी निगरानी व्यवस्था से जोड़ा जाएगा।

जीवन के पहले 1000 दिनों पर रहेगा विशेष फोकस

बच्चे के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत नींव रखने के लिए जीवन के शुरूआती 1,000 दिनों में पोषण और संवेदनशील देखभाल के महत्व को विशेष रूप से रेखांकित किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा संशोधित होम विजिट शेड्यूलर के माध्यम से घर-घर जाकर माताओं और अभिभावकों को पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल देखभाल संबंधी परामर्श दिया जाएगा। नवचेतना और आधारशिला पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बच्चों में विकासात्मक विलंब की प्रारंभिक पहचान पर भी जोर रहेगा। आवश्यकता होने पर ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (ठैज़्) की मेडिकल टीमों के माध्यम से उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में संदर्भित किया जाएगा, ताकि समय पर आवश्यक जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का होगा 100 प्रतिशत सैचुरेशन

राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र गर्भवती एवं धात्री महिला को योजना से जोड़ने के लिए विशेष 100 प्रतिशत सैचुरेशन अभियान चलाया जाएगा।

एशिया का पहला सायफन डैम मुरुमसिल्ली, बारिश में और बढ़ जाती है खूबसूरती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्यटन की दृष्टि से कई ऐसी जगहें हैं, जो पिकनिक स्पॉट के तौर पर मशहूर हैं। बस्तर के तीरथगढ़ और चित्रकोट जलप्रपात की ख्याति तो देश-विदेश तक है, लेकिन धमतरी जिले में स्थित मुरुमसिल्ली बांध की अपनी एक अलग ही पहचान है। यह एशिया का पहला ऐसा बांध है, जिसमें ऑटोमेटिक सायफन सिस्टम का उपयोग किया गया है। मुरुमसिल्ली बांध महानदी की सहायक नदी सिलयारी पर बना है। धमतरी में गंगरेल, दुधावा, मुरुमसिल्ली और सोंढूर जैसे कई जलाशय हैं, लेकिन मुरुमसिल्ली की विशेषता इसे सबसे अलग बनाती है। बारिश के मौसम में यहां पर्यटकों की भीड़ उमड़ती है।

ऑटोमेटिक खुल जाते हैं गेट

इस बांध की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑटोमेटिक सायफन सिस्टम है। बांध में पानी एक निश्चित स्तर तक पहुंचते ही इसके गेट अपने आप खुल जाते हैं और अतिरिक्त पानी बाहर निकल जाता है। किसी को गेट खोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

100 साल बाद भी वैसा ही मजबूत

इस बांध का निर्माण 1914 से 1923 के बीच ब्रिटिश काल में हुआ था।

बिजली उपभोक्ताओं को डबल झटका, सितंबर के बिल में 13% लगेगा एफपीपीएएस शुल्क

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के करीब 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को सितंबर में बिजली बिल का झटका लगने वाला है। सितंबर में आने वाले अगस्त के बिल में कुल 13 फीसदी एफपीपीएएस (फ्यूल पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज) शुल्क लगेगा। दरअसल, इसमें पिछले महीने का बचा हुआ 8 फीसदी और अगस्त का नया 5 फीसदी शुल्क दोनों जुड़कर आएगा।

क्यों लगेगा 13% शुल्क?

अगस्त के लिए एफपीपीएएस 18% तय किया गया था, लेकिन जुलाई में टैरिफ बढ़ने के कारण उस समय सिर्फ 10% ही वसूला गया था। बचा हुआ 8% अब सितंबर में वसूला जाएगा। उसके साथ अगस्त का नया 5% शुल्क जुड़ने से कुल 13% हो जाएगा।

हर महीने बढ़ रहा है बोझ

प्रदेश के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए एफपीपीएएस (फ्यूल पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज) लगातार मुसीबत बनता जा रहा है। हर महीने शुल्क तय होने से बिल का गणित बिगड़ रहा है। इस साल की स्थिति देखें तो उपभोक्ताओं पर दोहरे शुल्क का असर लगातार पड़ रहा है:- जनवरी से अब तक एफपीपीएएस का खेलजनवरी (दिसंबर का बिल): 13.64% - (5.43% पुराना + 8.21% नया), फरवरी (जनवरी का बिल): 12.35% - (8.21% पुराना + 4.14% नया), मार्च (फरवरी का बिल): 5.91%, अप्रैल (मार्च का बिल): 4.24%, मई (अप्रैल का बिल): 3.98%, जून (मई का बिल): 9.13%, जुलाई (जून का बिल): 11.33%, अगस्त (जुलाई का बिल): 10% वसूला गया, जबकि तय 18% था। बाकी 8% रोक लिया गया। सितंबर (अगस्त का बिल): अब 13% लगेगा - (8% पुराना बकाया + 5% नया)। बिजली कंपनी ने जुलाई में टैरिफ बढ़ने का हवाला देकर अगस्त में पूरा 18% नहीं वसूला था। अब वही 8% बकाया सितंबर में नए शुल्क के साथ जोड़कर वसूला जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं को डबल झटका लगेगा।

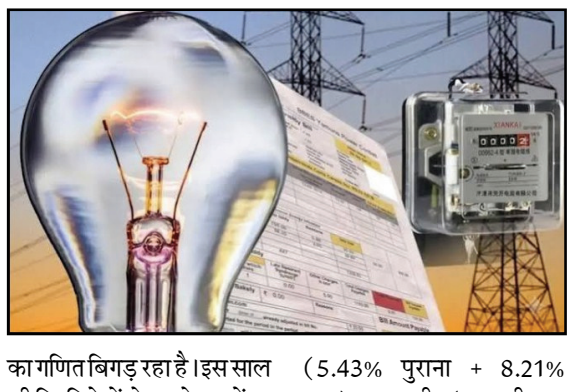

700 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती और पदोन्नति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न करें - उच्च शिक्षा मंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य में उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गति लाने के उद्देश्य से आज उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने विभागीय अधिकारियों की मंत्रालय में समीक्षा बैठक ली। बैठक में 1 जुलाई को लिए गए निर्णयों पर अब तक हुई कार्यवाही का बिंदुवार क्रियान्वयन की समीक्षा की गया। मंत्री वर्मा ने समयबद्ध कार्यों में देरी पर कड़ी नाराजगी जताते हुए प्रशासनिक ढिलाई को तुरंत दूर करने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के सख्त निर्देश दिए। इस बैठक में सचिव अविनाश चंपावत, आयुक्त श्रीमती रीता यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्राध्यापक भर्ती और पदोन्नति की समयसीमा तय

बैठक के दौरान राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में सत्र 2026-27 के तहत जारी प्रवेश प्रक्रिया का जायजा लिया गया। मंत्री श्री वर्मा ने सहायक प्राध्यापक के 700 पदों पर जारी भर्ती प्रक्रिया की रुकावटों को तत्काल दूर करने तथा प्राध्यापकों के 595 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। स्नातक प्राचार्य के पदों पर पदोन्नति की पेंडेंसी पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्होंने 15 सितंबर 2026 तक समस्त कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अपात्र होने के बावजूद पदोन्नति पाने वाले प्राध्यापकों की जांच कर उन पर की गई कार्यवाही की भी समीक्षा की गई।

न्यायालयीन प्रकरणों पर चिंता और वेतनमान का त्वरित निराकरण

वरिष्ठ और प्रवर श्रेणी वेतनमान के प्रकरणों में हो रही देरी के कारण सहायक प्राध्यापकों को न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है, जिस पर मंत्री ने गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने विभाग में लंबित

न्यायालयीन प्रकरणों और याचिकाओं का ब्योरा मांगते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 1 अक्टूबर 2026 तक सभी विचाराधीन प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण कर आदेश जारी किए जाएं। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों की पीएच.डी. अनुमोदन की प्रगति और मंत्री कार्यालय द्वारा भेजी गई शिकायतों पर की गई कार्यवाही का विस्तृत विवरण तलब किया गया।

वित्तीय पारदर्शिता और शैक्षणिक गुणवत्ता पर जोर

मंत्री वर्मा ने समीक्षा के दौरान पिछली बैठक में मांगी गई बजट संबंधी अधूरी जानकारी पर असंतोष जताया गया। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रत्येक शासकीय महाविद्यालय को आवंटित बजट की महाविद्यालयवार पूर्ण सूची तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से महाविद्यालयों में पदस्थ अतिथि व्याख्याताओं के शिक्षकीय कार्यों का नियमित आकस्मिक निरीक्षण करने का निर्णय लिया गया।

सत्र प्रबंधन और नई नीतिगत पहल

छात्र-छात्राओं के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा मंत्री ने महाविद्यालयों में सीट वृद्धि की प्रक्रिया को सुचारू बनाने हेतु नया कैलेंडर लागू करने का सुझाव दिया। इसके तहत शासकीय व निजी महाविद्यालयों से सीट वृद्धि के प्रस्ताव दिसंबर तक मंगाकर जनवरी तक स्वीकृतियां जारी की जाएंगी, ताकि आदेशों में होने वाली त्रुटियों से महाविद्यालयों को मुक्ति मिल सके। लॉ और बी. एड. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 31 दिसंबर तक प्राप्त होने वाले ऑनलाइन आवेदनों का निराकरण समय सीमा के भीतर करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही, 4 वर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम हेतु एन.सी.टी.ई. दिल्ली की नैक ग्रेडिंग शर्तों पर चर्चा के लिए एक विशेष टीम गठित कर दिल्ली भेजने और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमानुसार प्रति सेक्शन 60 विद्यार्थियों के अनुपात को समायोजित करने के लिए अभी से तैयारियां शुरू करने के निर्देश जारी किए गए।

पोषण माह 2026 के सफल आयोजन को लेकर राज्य स्तरीय तैयारियों की समीक्षा

अंतरविभागीय समन्वय से प्रदेशभर में होंगे पोषण जागरूकता और जनभागीदारी के कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के प्रभावी एवं सफल आयोजन को लेकर आज संचालनालय, महिला एवं बाल विकास विभाग में अंतरविभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए पोषण माह के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की रूपरेखा, विभागीय समन्वय और मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार प्रदेश में सितंबर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में जनभागीदारी के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह का मुख्य विषय ह्यहमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारीह्न है। पोषण अभियान का उद्देश्य बच्चों, महिलाओं, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा किशोरियों के पोषण स्तर में सुधार के साथ समुदाय में स्वस्थ खान-पान और पोषण संबंधी व्यवहार को बढ़ावा देना है। बैठक में पोषण माह के दौरान आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन सेवन, आंगनवाड़ी केन्द्रों में ताजा एवं गरम पका हुआ भोजन, सामुदायिक सहभागिता, बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य हेतु नकद अंतरण जैसे विषयों पर विशेष रूप से गतिविधियां संचालित करने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं और गतिविधियों को एक-दूसरे से जोड़ते हुए अंतरविभागीय समन्वय के साथ पोषण को जनआंदोलन का स्वरूप देने पर जोर दिया। आंगनवाड़ी केन्द्रों, पंचायतों, विद्यालयों तथा समुदाय के माध्यम से पोषण जागरूकता को व्यापक बनाने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यानिकी, नगरीय प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, जनसंपर्क, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, अनुसूचित जाति विकास, आदिम जाति कल्याण, कौशल विकास, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुए। पोषण माह के दौरान समुदाय आधारित गतिविधियों, पोषण जागरूकता और डिजिटल मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रदेश में पोषण ट्रैकर के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों के विभिन्न पोषण संकेतकों की डिजिटल निगरानी की व्यवस्था भी की गई है। बैठक में अधिकारियों से अपने-अपने विभाग की ओर से नोडल अधिकारी नामांकित कर गतिविधियों के प्रभावी संचालन एवं आपसी समन्वय सुनिश्चित करने कहा गया, ताकि पोषण माह के सभी कार्यक्रम निर्धारित समयसीमा में प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकें।

विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों में बर्दास्त नहीं होगी लापरवाही - लक्ष्मी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर एवं भैयाथान में आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठकों में विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बैठक में योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लेते हुए मैदानी स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विभागीय योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे और विकास कार्यों का सकारात्मक प्रभाव आमजन के जीवन में दिखाई दे, इसके लिए निरंतर समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को मैदानी अमले के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान करने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल स्वीकृति और क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक लाभ हितग्राही तक पहुंचना ही उसकी सार्थकता है।

सूरजपुर में विधायक भूलन सिंह मराबी एवं भैयाथान में आयोजित समीक्षा बैठकों में संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

बिलासपुर में 12 से 18 जनवरी तक आयोजित होगी भर्ती रैली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। भर्ती रैली 12 जनवरी से 18 जनवरी 2027 तक बहतराई स्टेडियम, बिलासपुर में आयोजित होगी। इस भर्ती रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन पदों के लिए योग्य उम्मीदवार हिस्सा ले सकेंगे।

साथ ही अग्निवीर लिपिक पद के लिए भर्ती का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 को इंदिरा गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर (मध्य प्रदेश) में किया जाएगा। इसमें सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के अंतर्गत आने वाले छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के कॉमन एंट्रेंस एग्जाम में सफल अग्निवीर लिपिक उम्मीदवार शामिल होंगे। भर्ती रैली में शामिल होने वाले योग्य उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र JIA वेबसाइट (www.joinindian-army.nic.in) और उम्मीदवारों की ई-मेल आईडी पर भेज दिए गए हैं। उम्मीदवारों को भर्ती में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड के साथ भर्ती अधिसूचना में बताए गए सभी आवश्यक दस्तावेज,आधार कार्ड से लिंक मोबाइल लेकर आना अनिवार्य होगा।

भर्ती से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय के आधिकारिक व्हाट्सऐप चौनल से जुड़ सकते हैं। साथ ही सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के दूरभाष नंबर 0771-2965212 ,2965214 पर संपर्क किया जा सकता है। सेना भर्ती कार्यालय के द्वारा उम्मीदवारों को किसी भी तरह के दलाल या बिचौलियों से सावधान रहने की सलाह दी गयी है।

एक सप्ताह से सूर्यदेव के दर्शन नहीं, बारिश के बाद पहाड़ों पर छाई धुंध ने बढ़ाई खूबसूरती

सोलर बिजली ठप होने से अंधेरे में हाथियों और जंगली जानवरों का डर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर पहाड़ी एवं वनांचल क्षेत्र में पिछले करीब एक सप्ताह से लगातार बारिश होने से ग्रामीण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार बारिश के कारण जहां ग्रामीण अंचल की कच्ची सड़कें पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गई हैं, वहीं कच्चे मकानों से पानी टपकने लगा है। दिनभर आसमान में बादल छाए रहने के कारण करीब एक सप्ताह से सूर्यदेव के दर्शन भी नहीं हुए हैं। बारिश के बाद क्षेत्र की पहाड़ियों पर घनी धुंध की चादर छा गई है। बादलों से घिरी पहाड़ियां, घने जंगल और चारों ओर फैली हरियाली जहां क्षेत्र को मनमोहक बना रही है, वहीं लगातार बारिश ने ग्रामीणों की परेशानियां भी बढ़ा दी हैं। लगातार बारिश के चलते बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की कच्ची सड़कें कीचड़ में तब्दील हो गई हैं। कई रास्तों पर पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहनों के फिसलने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में कच्ची सड़कों की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे जरूरी काम के लिए गांव से बाहर निकलना भी चुनौती बन जाता है। पहाड़ी और दूरस्थ गांव होने के कारण सड़क की खराब स्थिति का असर बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों पर सबसे ज्यादा पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक लगातार बारिश के कारण घरों में नमी बढ़ गई है और कच्चे मकानों की स्थिति को लेकर भी चिंता बनी हुई है। ऐसे परिवारों को बारिश थमने का इंतजार है।

धूप नहीं निकली तो सोलर व्यवस्था भी प्रभावित

चांदनी-बिहारपुर के पहाड़ी और दूरस्थ इलाकों में कई स्थानों पर सौर ऊर्जा ग्रामीणों के लिए बिजली का महत्वपूर्ण वैकल्पिक माध्यम है। लेकिन लगातार बादल और बारिश के कारण सोलर प्लेटों को पर्याप्त धूप नहीं मिल पा रही है। इससे बैटरी चार्जिंग प्रभावित होने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि कई जगह सोलर बिजली की व्यवस्था प्रभावित होने से रात के समय अंधेरा छा जाता है। मोबाइल फोन तक चार्ज करना मुश्किल हो गया है। आपात स्थिति में मोबाइल बंद होने की चिंता भी ग्रामीणों को सताती है।

क्षेत्र पहले से ही घने जंगल और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। ऐसे में बारिश और अंधेरे के कारण ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों को रात के समय जंगली जानवरों के गांव की ओर आने का डर बना रहता है। इसी बीच मोहरसोप क्षेत्र में हाथियों के पहुंचने की जानकारी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश, अंधेरा और जंगल क्षेत्र होने के कारण रात में घर से बाहर निकलना जोखिम भरा महसूस हो रहा है। हाथियों की मौजूदगी की खबर के बाद लोग विशेष सतर्कता बरत रहे हैं।

प्रकृति का खूबसूरत रूप, और बढ़ती परेशानी

लगातार बारिश के बाद चांदनी-बिहारपुर की पहाड़ियां बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। पहाड़ी चोटियों से लिपटी सफेद धुंध, घने हरे जंगल और बारिश से धुली हरियाली किसी पर्यटन स्थल का अहसास करा रही है। लेकिन इसी खूबसूरत नजारे के पीछे ग्रामीणों की परेशानी भी छिपी है। एक ओर प्रकृति अपने मनमोहक रूप में दिखाई दे रही है, तो दूसरी ओर सड़क, बिजली, कच्चे मकान और जंगली जानवरों का डर ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश खेती के लिए जरूरी है, लेकिन लगातार एक सप्ताह से बारिश और धूप नहीं निकलने के कारण अब समस्याएं बढ़ने लगी हैं। कच्ची सड़कें खराब हो गई हैं, घरों से पानी टपक रहा है और सोलर व्यवस्था प्रभावित होने से रात में अंधेरे की समस्या सामने आ रही है।

ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन क्षेत्र की ग्रामीण सड़कों की स्थिति का जायजा ले, कच्चे मकानों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों की मदद करे तथा हाथियों की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग द्वारा ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए।

जल संरक्षण, जल संकट, प्लास्टिक एवं पर्यावरण स्वच्छता पर विद्यालय में हुई कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत दूसरे दिन हरित विद्यालय दिवस के अवसर पर विद्यालय में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को जल संरक्षण, जल संकट, एकल उपयोग प्लास्टिक एवं पर्यावरण स्वच्छता के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने में उनकी छोटी-छोटी आदतों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यशाला के दौरान विशेष रूप से जल संरक्षण पर विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को समझाया गया कि पानी सीमित प्राकृतिक संसाधन है और इसकी बर्बादी भविष्य में गंभीर जल संकट का कारण बन सकती है। नल को अनावश्यक रूप से खुला न छोड़ना, आवश्यकता के अनुसार पानी का उपयोग करना और वर्षाजल का संरक्षण करना जैसे उपायों की जानकारी दी गई। जल की बर्बादी को समझाने के लिए बच्चों से एक व्यावहारिक गतिविधि कराई गई। सबसे पहले बच्चों से एक गिलास पानी से हाथ धोने का प्रयास करने को कहा गया और पूछा गया कि क्या इतने पानी में हाथ अच्छी तरह साफ किए जा सकते हैं। इसके बाद नल को लगातार खुला छोड़कर 30 सेकंड में बहने वाले पानी को बाल्टी में एकत्र किया गया। बच्चों को आवश्यकता भर उपयोग किए जाने वाले पानी और व्यर्थ बहने वाले पानी की मात्रा का अंतर दिखाया गया। इस गतिविधि से बच्चों ने स्वयं महसूस किया कि नल को अनावश्यक रूप से खुला छोड़ने से थोड़े समय में भी काफी मात्रा में पानी व्यर्थ हो जाता है। विद्यार्थियों ने इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए जल बचाने के विभिन्न उपाय भी बताए। कार्यशाला में एकल उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में भी बच्चों को जानकारी दी गई। प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े या अन्य पुनः उपयोग योग्य थैलों का प्रयोग करने तथा विद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुष्कर्म का आरोपी चौबीस घंटे के अंदर गिरफ्तार

अंबिकापुर। छ.ग. फ्रटंलाइन। महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्रवाई करते हुए बतौली पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

प्रार्थिया 01 सितंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि कदनई सुगाझरिया निवासी जयप्रकाश पैकरा ने उसे अकेला देखकर जबरन दुष्कर्म किया। रिपोर्ट पर थाना बतौली में धारा 296, 351(3), 64(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जयप्रकाश पैकरा पिता सुदामा पैकरा 24 वर्ष को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। उसे

गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी विवेक सेंगर, प्रशिक्षु एसआई शिव कुमार ध्रुव, महिला आरक्षक मेरी क्लोरेट, राजेश खलखो, राकेश एक्का और जोगी बड़ा सक्रिय रहे।

पुलिस के साइबर जागृति अभियान में ग्रामीणों ले रहे जागरूकता की एक सेल्फी

साइबर जागृति अभियान से जुडने एवं साइबर अपराधियों से सतर्कता की अपील

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगी एवं डिजिटल फ्रॉड के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेशभर में 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आम जनता को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता की एक सेल्फी पहल की शुरुआत की गई है। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर जिलेभर में साइबर जागृति अभियान के तहत वृहद रूप से आमजनता को साइबर सुरक्षा के लिए जागरूकता की एक सेल्फी लेने के प्रोत्साहित कर उनकी सेल्फी को सोशल मीडिया में अपलोड कराकर शेयर कराया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन के मार्गदर्शन में मंगलवार को थाना झिलमिली पुलिस द्वारा ग्राम बभना व चौकी बसदेई पुलिस द्वारा ग्राम बंजा के ग्रामीणों को साइबर जागृति अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पुलिस के द्वारा इस जन-जागरूकता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने भारी उत्साह के साथ छत्तीसगढ़ पुलिस के आधिकारिक पोस्टर पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर अपनी जागरूकता की सेल्फी ली और उसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड किया। सेल्फी अपलोड करते हुए ग्रामीणों ने आम जनता, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें और 'साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़' के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं।

पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने वरिष्ठ नागरिकों, सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों से की गई विशेष अपील में उन्होंने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट नाम की कोई कानूनन प्रक्रिया नहीं होती, भारत में कोई भी पुलिस, सीबीआई, ईडी या सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ्तार नहीं करती और ना ही पैसे ट्रांसफर करने की मांग करती है। यदि कोई व्यक्ति आपको पुलिस या कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर डर दिखाता है, तो कॉल तुरंत काट दें। अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी या व्यक्तिगत विवरण किसी के साथ साझा न करें। किसी भी डर या धमकी के कारण किसी अज्ञात खाते में पैसे न भेजें। यदि किसी प्रकार के साइबर फ्रॉड का संदेह हो या आप शिकार हो जाएं, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराए।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमार सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव गौरव उत्सव स्वर्णिम संकल्प

क्रमांक 3338 / स्टोर / 2026 अम्बिकापुर दिनांक 25.08.2026

ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से **वाहन स्टैण्ड संचालन** के निविदा हेतु फर्मों/अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में **वाहन स्टैण्ड संचालन** हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** में देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा का नाम	सी.जी.ई. प्रोक्यो. निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड का संचालन	198303	31.08.2026, 10:00 AM	07.09.2026, 05:00 PM	07.09.2026, 05:30 PM	08.09.2026, 12:00 PM

स्थान :- कार्यालय, संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमार सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-262703054 / 2

धान के स्थान पर अन्य फसलों को अपनाने वाले किसानों को मिलेगा प्रोत्साहन

फसल विविधीकरण पर किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक की सहायता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य सरकार द्वारा फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए कृषक उन्नति योजना के स्वरूप में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। योजना अंतर्गत धान के स्थान पर अन्य खरीफ की फसल लेने वाले कृषकों को तथा पूर्व से ही खरीफ में दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास लेने वाले कृषकों को आदान सहायता राशि दिए जाने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन हेतु नवीन दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशानुसार कृषक उन्नति योजना का लाभ केवल उनकी कृषकों को मिलेगा, जिन्होंने एकीकृत किसान पोर्टल एवं एग्रीस्टेक पर पंजीयन कराया है। एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत ऐसे समस्त कृषक जिसके अंतर्गत विगत खरीफ में धान की फसल लेने वाले ऐसे कृषक जिन्होंने आगामी खरीफ में धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसल लेने हेतु पंजीयन कराया है, खरीफ में दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास की फसल लेने हेतु पंजीयन कराया है। योजना अंतर्गत आधार सहायता हेतु पात्र होंगे। विधिक व्यक्तियों यथा ट्रस्ट, मंडल, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, शाला विकास समिति, केंद्र एवं राज्य शासन के संस्थान, महाविद्यालय आदि संस्थाओं को योजना से लाभ लेने की पात्रता नहीं होगी।

किसानों को आदान सहायता राशि का भुगतान कृषि भूमि सीलिंग कानूनी के प्रावधानों के अध्याधीन किया जाएगा।

योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि कृषिकों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से की जाएगी। विगत खरीफ में धान की फसल लेने वाले ऐसे कृषक जिन्होंने आगामी खरीफ में धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसल लेने हेतु एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराया हो उन्हें एग्रीस्टेक पर पंजीयन तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे में रकबे की पुष्टि उपरांत मान्य रकबे पर 15000 की राशि पर प्रति एकड़ कि दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कृषक उन्नति योजना का उद्देश्य फसल क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, फसल की कास्ट लागत में कमी लाकर कृषिको की आय में वृद्धि तथा उनके सामाजिक आर्थिक स्तर में सुधार करना है। साथ ही कृषकों द्वारा उन्नत बीज समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन, कृषि यांत्रिकीकरण सहित नवीन कृषि तकनीकी में निवेश को प्रोत्साहन, बाजारोन्मुखी फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देते हुए कृषि को लाभ के व्यवसाय के रूप में पुनर्स्थापित करना है।

मैनपाट के बरिमा में सीएमडीसी पर अवैध बॉक्साइट खनन का गंभीर आरोप

लीज खत्म होने के 2 साल बाद भी 350 ट्रक खनिज निकालने का दावा

छ.ग.फ्रंटलाइन मैनपाट। छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले मैनपाट के ग्राम बरिमा में बॉक्साइट खनन को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। प्रभावित भू-स्वामियों ने छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सीएमडीसी) पर लीज अवधि खत्म होने के बाद भी अवैध रूप से खनन और परिवहन करने का गंभीर आरोप लगाया है। किसानों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार राजस्व प्रकरण क्रमांक 01/अ-82/2014-15 में 04 जनवरी 2017 को बरिमा की निजी भूमि 7 वर्षों के लिए बॉक्साइट उत्खनन हेतु सीएमडीसी को दी गई थी। अनुबंध के अनुसार

जनवरी 2024 में लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। अनुबंध में स्पष्ट शर्त थी कि खनन के बाद भूमि को उसके मूल स्वरूप में समतल कर भू-स्वामियों को वापस किया जाएगा। किसानों का आरोप है कि लीज खत्म होने के बाद न तो जमीन मूल स्वरूप में वापस की गई और न ही फसल और जमीन का पूरा मुआवजा दिया गया। इसके उलट पिछले दो वर्षों से उसी जमीन से लगातार बॉक्साइट निकाला जा रहा है।

350 ट्रक बॉक्साइट निकालने का आरोप

प्रभावित किसानों ने दावा किया है कि बिना वैधानिक अधिकार के पिछले दो सालों में संबंधित खसरा नंबरों से लगभग 350 ट्रक बॉक्साइट निकालकर बाजार में बेचा गया है। किसानों ने मांग की है कि इस अवैध रूप से निकाले गए बॉक्साइट की कीमत तत्काल उन्हें दिलाई जाए और भविष्य में उनकी जमीन पर हो रहे कथित अवैध उत्खनन पर तुरंत रोक लगाई जाए। ग्रामीणों ने दो टूक कहा है कि वे अब केवल फसल मुआवजा के आधार पर अपनी जमीन खनन के लिए देने को तैयार नहीं हैं।

जनसुनवाई के वादे हवा-हवाई

किसानों का कहना है कि बॉक्साइट परियोजना के लिए हुई जनसुनवाई में सीएमडीसी ने स्थानीय लोगों को रोजगार, विकास और उचित मुआवजे के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन जमीन पर हकीकत बिल्कुल उलट है। वादे और हकीकत में जमीन-आसमान का अंतर देखकर किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग, कुंजबिहारी यादव, तिलक साय, नानसाय, जहरसाय, चुन्नीलाल, लक्ष्मण, कार्तिक, सुमन नाग, रामचरण, परसराम, नान्ही, सत्यनारायण, यशोदा बाई, सुनील एवं ठुईया सहित बड़ी संख्या में भू-स्वामी शामिल रहे।

प्रशासन से की गई ये मांग

प्रभावित भू-स्वामियों ने लीज/अनुबंध की वैधता और खनन अनुमति की जांच करने, संबंधित खसरा नंबरों का भौतिक सत्यापन करने, पिछले दो वर्षों में निकाले गए बॉक्साइट की मात्रा, परिवहन और बिक्री के दस्तावेजों की जांच करने, मुआवजा और जमीन को मूल स्वरूप में वापस करने की शर्त का पालन कराने की मांग की है। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर किसानों ने ग्राम बरिमा स्थित सीएमडीसी के कांटाघर के पास बॉक्साइट परिवहन रोककर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। अब देखना होगा कि किसानों के इस गंभीर आरोप पर जिला प्रशासन और खनिज विभाग क्या कार्रवाई करता है।

झापी नाला पुल पर मालवाहक का पट्टा टूटा, 6 घंटे थमा रहा अंबिकापुर-बनारस मार्ग

पुल के खतरनाक गड्ढे में भरे पानी से गुजरते समय की घटना, कोयला वाहन भी फंसे

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर सोनगरा जंगल स्थित झापी नाला पुल में बुधवार सुबह एक मालवाहक वाहन के खराब होने से करीब छह घंटे तक यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। सुबह करीब 8 बजे पुल पर बने खतरनाक पानी से भरे गड्ढे से गुजरते समय वाहन के सस्पेंशन में लगा लोहे का पट्टा (लीफ स्प्रिंग) टूट गया। इसके बाद मालवाहक वाहन बीच पुल पर ही खड़ा हो गया, जिससे बड़े वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। वाहन की गति धीमी थी, जिसके चलते चालक वाहन पर नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहा और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। वाहन के बीच पुल पर खड़े होते ही अंबिकापुर और बनारस दोनों दिशा में कई किलोमीटर तक जाम लग गया। छोटी गाड़ियों को किसी तरह निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन बड़े मालवाहकों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित

रही। कई ट्रक व अन्य भारी वाहन घंटों सड़क पर खड़े रहे। जगन्नाथपुर खदान की ओर से आने वाले कोयला लोड वाहन भी घंटों खड़े रह गए।

बसों को बदलना पड़ा रास्ता

जाम के कारण रोजाना आवागमन करने वाली कुछ बसों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए कुछ बसों को सोनगरा से भटगांव थाना रोड की ओर से वैकल्पिक मार्ग से निकाला गया, ताकि यात्रियों को लंबे जाम में फंसने से बचाया जा सके। करीब छह घंटे तक यातायात प्रभावित रहने के बाद दोपहर करीब 2 बजे खराब मालवाहक वाहन को पुल से हटाया गया, इसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका।

गड्ढों के कारण हादसे का खतरा

बारिश के दौरान पुल के गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई दिखाई नहीं देती। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच ऐसी स्थिति में वाहन खराब होने के साथ गंभीर दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। लोगों ने संबंधित विभाग से झापी नाला पुल की सड़क की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कर खतरनाक गड्ढों की मरम्मत कराने और यातायात को सुरक्षित बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे या घंटों लंबे जाम की स्थिति से बचा जा सके।

लोनिवि के अफसरों ने नहीं उठाया फोन

सड़क एवं पुल की स्थिति को लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग के संबंधित सक्षम अधिकारियों से फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे विभाग की ओर से सड़क की मौजूदा स्थिति और पुल पर बने गड्ढों को लेकर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आ सकी।

बस की ठोकर से कार, एप्पल आईपैड क्षतिग्रस्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। झारखण्ड के बीएचईएल कंपनी में काम करने वाले युवक की कार यात्री बस के चपेट में आने से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के मुताबिक, झारखंड निवासी तिरूपति दास महंत पिता साधराम महंत 01 सितम्बर को रात करीब 9 बजे अपने क्रेटा वाहन क्रमांक 26 बीएच 7372 जी में अपने परिवार के साथ रांची से अंबिकापुर होते हुए बिलासपुर जाने के लिए निकले थे। सफर के दौरान 02 सितम्बर को सुबह करीब 4 बजे सरगुजा जिला के लखनपुर में चनई पुलिया के पास नेशनल हाईवे 130 में पीछे से आ रही राजहंस बस क्रमांक बीआर 02 पीबी 8227 का चालक लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए क्रेटा वाहन को पीछे तरफ से ठोकर मारकर निकल लिया, जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान कार के अंदर रखा एप्पल आई पैड भी क्षतिग्रस्त हो गया। रिपोर्ट पर लखनपुर थाना पुलिस ने बस चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

सड़क-रेल की बदहाली पर भड़की माकपा, अल्टीमेटम...सुधार नहीं तो सड़क पर उतरेंगे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की टूटी सड़कों और ट्रेनों की रोज-रोज की लेटलतीफी को लेकर अब सियासत गरमा गई है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की सरगुजा जिला समिति ने कलेक्टर और रेल प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर 15 दिन के अंदर सड़क और रेल व्यवस्था सुधारने का अल्टीमेटम दिया है। माकपा ने साफ कहा है कि अगर जल्द सुधार नहीं हुआ तो पार्टी जनहित में आंदोलन करने को मजबूर होगी।

जिला समिति की ओर से दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि, 25 अगस्त को ही प्रशासन को शहर की चारों तरफ की एप्रोच सड़कों की दुर्दशा से अवगत कराया गया था। शहर से निकलने वाली सभी सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे गाड़ी

चलाना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। माकपा ने 30 अगस्त तक कम से कम चलने लायक बनाने की मांग की थी, लेकिन आज तक एक भी गड्ढा नहीं भरा गया। गड्ढों की वजह से रोज हादसे हो रहे हैं और लोगों को चोट लग रही है।

दुर्ग ट्रेन लेट होने से परीक्षार्थियों की छूटी परीक्षा

सड़क के साथ माकपा ने रेलवे की मनमानी पर भी सवाल उठाया है। पार्टी ने रेल मंत्री और डीआरएम को भेजे ज्ञापन में कहा है कि सरगुजा संभाग की ट्रेनें पिछले 10-12 साल से कभी समय पर नहीं चल रही हैं। कई बार तो ट्रेनें 18 से 20 घंटे लेट हो जाती हैं। खासकर ट्रेन नंबर 18242 अंबिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस की हालत सबसे खराब है। सरगुजा से रायपुर जाने वाले लोगों के लिए यही एक मुख्य ट्रेन है, जो पिछले कई महीनों से यह रोज 5 से 6 घंटे देरी से चल रही है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और नौकरी की परीक्षा देने जा रहे युवाओं को हो रहा है। हाल ही में रेलवे भर्ती परीक्षा देने जा रहे कई छात्र ट्रेन लेट होने से परीक्षा ही नहीं दे पाए।

शहडोल मेमू का भी कोई टाइम-टेबल नहीं

इसी तरह शहडोल-अंबिकापुर मेमू पैसेंजर का भी कोई भरोसा नहीं है। इस ट्रेन से रोज सैकड़ों छात्र, कर्मचारी और मजदूर सफर करते हैं। ट्रेन का कोई तय समय नहीं होने से लोग सुबह से स्टेशन पर बैठे रहते हैं। बुजुर्ग, महिला और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। माकपा ने स्टेशनों पर पानी, साफ-सफाई, शौचालय और खाने-पीने की व्यवस्था ठीक करने की भी मांग की है।

संकल्प भवन में बहनों ने भाइयों की उतारी आरती, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रक्षाबंधन के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा सरगुजा द्वारा भाजपा कार्यालय 'संकल्प भवन' में रक्षाबंधन उत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में आयोजित किया गया। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के मार्गदर्शन एवं भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की मौजूदगी में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उपस्थित भाइयों को राखी बांधी, मिठाई खिलाई और आरती उतारकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के साथ सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द्र का संदेश दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि, रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का महत्वपूर्ण पर्व है। यह भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प को मजबूत करता है। भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय पहल है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, अंबिकेश केसरी, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष, महामंत्री अरुणा सिंह, उपाध्यक्ष मधु चौदहा, महामाया मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महिला मोर्चा जिला महामंत्री प्रियंका चौबे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

17 साल पुराने एक्सीडेंट केस में फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देश पर लंबित स्थाई वारंटों की तामिली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना कोतवाली पुलिस ने अपराध क्रमांक 265/09 धारा 279, 337, 338 भादवि के मामले में 17 साल से फरार चल रहे आरोपी रामभरत विश्वकर्मा पिता ननका विश्वकर्मा 35 वर्ष निवासी शिव मंदिर के पास गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हो रहा था, इसके बाद न्यायालय ने स्थाई वारंट जारी किया था। पुलिस टीम ने उसे पकड़कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, एएसआई देवनारायण यादव, आरक्षक सचिन्द्र सिन्हा, संजीव पाण्डेय और अभिषेक सिंह सक्रिय रहे।

हाथी के हमले में बुजुर्ग गंभीर, खाट पर ढोकर जंगल से लाए ग्रामीण

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। वन परिक्षेत्र उदयपुर के ससकालो-जुगमा जंगल में बुधवार दोपहर हाथी के हमले में 60 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बुजुर्ग को स्थानीय लोगों और वनकर्मियों की मदद से खाट के सहारे जंगल से बाहर लाया गया, इसके बाद वन विभाग की व्यवस्था किए गए वाहन से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) उदयपुर पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक, बिशुन पिता दसरू मझवार 60 वर्ष, निवासी ग्राम ससाकालो लिपिंगी, साइकिल से लक्ष्मणगढ़ की ओर से ससकालो-जुगमा जंगल की तरफ किसी वैद्य से मिलने जा रहा था। इसी दौरान दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच जंगल में उसका सामना हाथी से हो गया। हाथी ने बुजुर्ग पर हमला कर दिया, जिससे उसके सीना, पैर, चेहरे और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और वनकर्मी मौके पर पहुंचे। जंगल का रास्ता दुर्गम होने के कारण घायल बुजुर्ग को खाट पर लादकर बाहर लाया गया। इसके बाद वन अमले द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन से उसे सीएचसी उदयपुर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बुजुर्ग की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार

के बाद ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ जिला चिकित्सालय शिफ्ट किया। वन विभाग उदयपुर द्वारा घायल के स्वजन को तत्काल सहायता राशि भी प्रदान की गई है।

लगातार हाथी विचरण से बढ़ी चिंता-बताया जा रहा है कि, क्षेत्र में विगत कुछ दिनों से हाथियों का विचरण बना हुआ है, जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हाथी विचरण वाले संभावित क्षेत्रों से लगे ग्रामों में वन विभाग द्वारा लगातार मुनादी कराकर ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की समझाइश दी जा रही है। बावजूद कुछ ग्रामीण वन विभाग की चेतावनी और मुनादी को नजरअंदाज करके जंगल की ओर चले जाते हैं। इसी लापरवाही के चलते वे हाथी के हमले जैसी घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि, हाथी विचरण क्षेत्र में अनावश्यक रूप से प्रवेश न करें और मुनादी के माध्यम से दी जा रही चेतावनियों का गंभीरता से पालन करें।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा 18 को, प्रवेश पत्र वितरण शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा द्वारा आयोजित पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए प्रवेश पत्र वितरण शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय ने परीक्षा की तिथि, समय और केंद्र भी निर्धारित कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 24 अगस्त के अनुसार परीक्षा 18 सितंबर, शुक्रवार को सुबह 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। इसके लिए परीक्षा केंद्र सरस्वती महाविद्यालय, सुभाषनगर, अंबिकापुर बनाया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की विषयवार सूची वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। प्रवेश पत्र वितरण 01 सितंबर से शुरू है, जो आगामी 16 सितंबर तक कार्यालयीन समय में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित छात्र सहायता केंद्र, मंच से अभ्यर्थी प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र मिलने के बाद नाम, विषय, फोटो आदि की सावधानीपूर्वक जांच करने और किसी भी त्रुटि पर तत्काल अकादमिक विभाग से संपर्क करके सुधार कराने निर्देशित किया गया है।

परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए प्रवेश पत्र के साथ फोटो पहचान पत्र की मूल प्रति लाना अनिवार्य है। सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले केंद्र में उपस्थित होना होगा। परीक्षा शुरू होने के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे एक दिन पहले ही परीक्षा केंद्र का अवलोकन कर लें ताकि परीक्षा के दिन परेशानी न हो। परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक संचार साधन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। अभ्यर्थी को निर्धारित अनुक्रमांक पर ही बैठना होगा और उपस्थिति पत्रक व उत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करना होगा। नकल या अनुशासनहीनता करने पर केंद्र से निष्कासित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा में उपस्थिति पूरी तरह प्रावधिक है। बाद में किसी भी स्तर पर जानकारी गलत या अपात्रता पाए जाने पर अभ्यर्थिता निरस्त कर दी जाएगी। अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट और सूचना पटल पर लगी विस्तृत अधिसूचना का अवलोकन कर सकते हैं।

व्यापारी कर संवाद कार्यक्रम में आयकर विभाग ने व्यापारियों को दी महत्वपूर्ण जानकारी

आयकर विभाग और व्यापारियों के बीच संवाद एवं विश्वास बढ़ाने पर दिया गया जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), छत्तीसगढ़ एवं आयकर विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को होटल अलंकार ग्रीन्स, ब्रह्मरोड में 'व्यापारी कर संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों एवं आयकर विभाग के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा आयकर संबंधी विषयों को लेकर व्यापारियों में व्याप्त भ्रांतियों एवं भय को दूर करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवीण एन. परिहार, आईटीओ-1 अंबिकापुर रहे। कार्यक्रम को कैट छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी एवं आयकर इंस्पेक्टर एस.पी. पात्रा ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने व्यापारियों को आयकर कानून, रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया, आवश्यक अनुपालन, दस्तावेजों के रख-रखाव तथा आयकर से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। साथ ही व्यापारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर कैट छत्तीसगढ़ के प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने कहा कि आयकर विभाग को लेकर व्यापारियों के बीच लंबे समय से एक भय का वातावरण बना रहता है। इस भय के वातावरण को समाप्त करना कैट का प्रमुख उद्देश्य है। व्यापारियों और आयकर विभाग के बीच परस्पर संवाद स्थापित हो, व्यापारी अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं को सहजता से विभाग के समक्ष रख सकें तथा विभाग की कार्यप्रणाली और आयकर कानून को लेकर सही जानकारी व्यापारियों तक पहुंचे, इसी उद्देश्य से 'व्यापारी कर संवाद' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी और आयकर विभाग एक-दूसरे के सहयोगी हैं और सही जानकारी एवं पारदर्शी संवाद के माध्यम

से कर अनुपालन को और बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैट सरगुजा के जिला अध्यक्ष रंजय स्वर्णकार ने की। कार्यक्रम में टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष अमित 'मिंटू' अग्रवाल, किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी.के. सोनी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने आयकर से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं एवं प्रश्न रखे, जिनका आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समाधान किया गया। उपस्थित व्यापारियों ने इस प्रकार के संवादात्मक कार्यक्रमों को व्यापारिक समुदाय के लिए उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई। कैट सरगुजा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को व्यापारियों और आयकर विभाग के बीच विश्वास, संवाद एवं बेहतर समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

मूकबधिर बच्चों के साथ सेवा किटी के सदस्यों ने मनाया सेवा दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेवा किटी समूह की सदस्यों ने बुधवार को आस्था निकुंज मूकबधिर विद्यालय में बच्चों के साथ समय बिताया। इस विद्यालय में पहली से 12वीं तक 160 मूकबधिर बच्चे अध्ययनरत हैं।

समूह की सदस्यों ने बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, टॉफी, बिस्किट और बैठने के लिए टाटपट्टी का वितरण किया। इसके साथ ही बड़ी छात्राओं को सेनेटरी पैड भी दिए गए। इस दौरान बड़ी बच्चियों को वर्तमान समय में समाज में हो रही समस्याओं से खुद को सुरक्षित रखने को लेकर जागरूक भी किया गया। किस

तरह से अनजान लोगों से दूरी बनानी है और अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना है, इस पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संस्था की प्रिंसिपल श्वेता सिस्टर के साथ सेवा किट्टी की संस्थापिका वंदना दत्ता, मधु चैदह, सरिता भाटिया, लिली बसु राय, रश्मि गुप्ता, अतिशी भट्टाचार्य, स्मिता तिवारी एवं विद्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित थे। सेवा किटी समूह ने निर्णय लिया है कि वे हर महीने एक बार परवाज कार्यक्रम के तहत आस्था निकुंज के बच्चों के बीच अपना समय देंगे और उनकी मदद करेंगे। साथ ही समूह के सदस्यों ने केशवपुर आंगनबाड़ी केंद्र को गोद लेकर वहां कार्य करने का भी निर्णय लिया है।

संत गहिरा गुरु विवि में बाल अधिकार संरक्षण में पीजी डिप्लोमा के लिए 30 छात्रों का चयन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, रायपुर की पहल पर पूरे भारत में पहली बार बाल अधिकारों के संरक्षण में पीजी डिप्लोमा कोर्स छत्तीसगढ़ में शुरू किया गया है। इस ऐतिहासिक कोर्स को राज्य के 6 विश्वविद्यालयों में प्रारंभ किया गया है, जिसमें संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, अंबिकापुर का प्रमुख स्थान है। इसे लेकर आयोग और 6 विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू हुआ था।

आयोग द्वारा सभी विश्वविद्यालयों के लिए एक समान सिलेबस और ऑर्डिनेंस तैयार कर रायपुर में वर्कशॉप के जरिए समन्वय स्थापित किया गया था। 19 जून से विधि विभाग के अंतर्गत इस पाठ्यक्रम की कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। फिलहाल विधि के शिक्षक पढ़ा रहे हैं, आगे समाजशास्त्र और मानविकी के शिक्षक भी अध्यापन कराएंगे। इस कोर्स में 18 छात्राएं और 12 छात्र हैं। वर्गवार देखें तो एसटी से 5 छात्राएं-3 छात्र, एससी से 1 छात्रा-1 छात्र, ओबीसी से 7 छात्राएं-7 छात्र और अनारक्षित वर्ग से 5 छात्राएं-2 छात्र ने प्रवेश लिया है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने विधि विभाग को शुभकामनाएं दीं और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

80 में 30 का चयन, 18 छात्राएं

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में आयोग द्वारा दी गई समय सीमा के भीतर प्रचार-प्रसार कर ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए। कुल 80 आवेदनों में से 30 योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए 11 जून को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। आरक्षण प्रावधानों का पालन करते हुए मेरिट सूची जारी कर 30 छात्र-छात्राओं का चयन किया गया।

एक वर्ष का कोर्स दो सेमेस्टर में बंटा

प्रथम सेमेस्टर में तीन थ्योरी पेपर और एक प्रैक्टिकल। प्रैक्टिकल में छात्रों को फील्ड में जाकर डेटा आधारित रिपोर्ट तैयार कर प्रेजेंटेशन देना होगा और दी गई समस्याओं का कानूनी समाधान प्रस्तुत करना होगा। थ्योरी में अंतरराष्ट्रीय और भारतीय बाल अधिकार कानून, किशोर न्याय अधिनियम 2015 और बाल आयोगों की कार्यप्रणाली पढ़ाई जाएगी। द्वितीय सेमेस्टर में भी तीन थ्योरी और एक प्रैक्टिकल होगा। प्रैक्टिकल पेपर का नाम पॉलिसी ड्राफ्टिंग एंड वाइवा है, जिसमें छात्रों को बाल समस्याओं के समाधान के लिए पॉलिसी बनानी होगी। थ्योरी में दत्तक ग्रहण प्रावधान, पॉक्सो एक्ट और शिक्षा के अधिकार अधिनियम की पढ़ाई होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर